▪ RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 14 ▪ अंक - 19 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 10-08-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 तिरंगे के सम्मान की रक्षा करना हमारा दायित्व : नड्डा

6 व्यंग्य के शिखर पुरुष हरिशंकर परसाई

7 मेरी सफलता का श्रेय पति को जाता है : सुरभि चंदना

फर्स्ट टेक

परेशानी आने पर यात्रा रद्द करने के बजाय उसमें बदलाव को तैयार रहते भारतीय

नई दिल्ली/भाषा। भारत के करीब 96 प्रतिशत यात्री किसी भी परेशानी या बदलाव की स्थिति में अपनी यात्रा रद्द करने के बजाय उसमें बदलाव करने के लिए तैयार रहते हैं, जो यात्रा के प्रति उनके मजबूत और लचीले रवैये को दिखाता है। यह रोचक आंकड़े ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसी बुकिंग डॉट कॉम की एक नई रिपोर्ट में सामने आए हैं। दस एशिया-प्रशांत देशों के 10,000 से अधिक यात्रियों पर किए गए सर्वेक्षण पर आधारित पहली 'ट्रैवल हैप्पीनेस इंडेक्स' रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीयों के लिए यात्रा अब भी खुशी और बेहतर जीवन का एक बड़ा माध्यम है।

भारत छोड़ो आंदोलन में शामिल लोगों का साहस हर भारतीय के लिए प्रेरणा बना रहेगा : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऐतिहासिक भारत छोड़ो आंदोलन' में हिस्सा लेने वाले लोगों को याद करते हुए रविवार को कहा कि उनका साहस हर भारतीय के लिए हमेशा प्रेरणा बना रहेगा। 'भारत छोड़ो आंदोलन' महात्मा गांधी के नेतृत्व में नौ अगस्त 1942 को शुरू हुआ था। इस आंदोलन ने देश की स्वतंत्रता की लड़ाई को निर्णायक गति दी थी। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ऐतिहासिक भारत छोड़ो आंदोलन में हिस्सा लेने वाले सभी लोगों को याद कर रहा हूं। उनका साहस हर भारतीय के लिए हमेशा प्रेरणा बना रहेगा।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि 'भारत छोड़ो' के आह्वान ने स्वतंत्रता संग्राम में नई ऊर्जा का संचार किया और औपनिवेशिक शासन से मुक्ति पाने के लोगों के अटूट संकल्प को दर्शाया। नौ अगस्त 2026 को भारत छोड़ो आंदोलन के 84 वर्ष पूरे हो गए। यह आंदोलन देश के स्वतंत्रता संग्राम के सबसे महत्वपूर्ण पड़ावों में से एक था।

चीन में तूफान डॉल्फिन का 'रेड अलर्ट'

बीजिंग/भाषा। तूफान 'डॉल्फिन' के रविवार अपराह्न चीन के पूर्वी तट पर झेजियांग प्रांत से टकराने के बाद देश की राष्ट्रीय वेधशाला ने 'रेड अलर्ट' जारी किया। चीन की तूफान चेतावनी प्रणाली में रेड अलर्ट सबसे ऊंचा स्तर है। चीन की राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (एनएमसी) ने बताया कि तूफान 'डॉल्फिन' झेजियांग प्रांत के सानमेन से फुजियान प्रांत के फुदिंग तक देश के पूर्वी तट पर पहुंची है। एनएमसी के मुख्य पूर्वानुमानकर्ता वांग हाईपिंग ने कहा कि तूफान की वजह से भारी बारिश और इसके व्यापक तथा लंबे समय तक प्रभावी रहने की आशंका को देखते हुए रेड अलर्ट जारी करना जरूरी था।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों को न्याय मिलेगा : सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार को भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर विरोध कर रहे अभ्यार्थियों को भरोसा दिलाया कि उन्हें पारदर्शिता के साथ न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि बातचीत से ही समस्याओं का समाधान हो सकता है, लाठी-डंडे से नहीं, हथियार तो सीमा पर दुश्मनों के लिए होते हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य में लोकतंत्र को बाधित करने के लिए निहित स्वार्थ वाले लोग पूरी ताकत से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों के आंदोलन का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए और राजनीतिक महत्वाकांक्षा रखने वाले लोगों द्वारा गुमराह किये जाने के प्रति युवाओं को आगाह किया। सोरेन ने कहा कि युवाओं की चिंता उनकी भी चिंता है और परीक्षा में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि झारखंड की आत्मनिर्भरता को स्वीकार न कर पाने वाले निहित स्वार्थी तत्व राज्य में लोकतंत्र को बाधित करने के लिए पूरी ताकत से काम कर रहे हैं। समस्याओं का समाधान 'लाठी-डंडा-बंदूक' से नहीं, बल्कि संवाद से ही हो सकता है।''

सोरेन ने रांची में आयोजित झारखंड आदिवासी महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा, ''हथियार सीमा पर दुश्मनों के लिए होते हैं। मैं परीक्षा को लेकर विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों से वादा करता हूं कि पूरी पारदर्शिता के साथ न्याय किया जाएगा।'' मुख्यमंत्री ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने के विरोध में हुए प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा, ''सबने देखा कि युवाओं को कैसे प्रताड़ित किया गया, उन्हें पैलेट गन और लाठीचार्ज का सामना करना पड़ा और उन्हें देशद्रोही करार दिया गया।'' भाजपा की तरफ इशारा करते हुए सोरेन ने विरोधी राजनीतिक पार्टियों पर झूठ और गलत जानकारी फैलाकर झारखंड के युवाओं को गुमराह करने की कोशिश करने का आरोप लगाया और कहा कि इसमें बुद्धिजीवी भी शामिल थे।

लोग 'हर घर तिरंगा' अभियान में उत्साह के साथ हिस्सा लें : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को लोगों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में उत्साह के साथ हिस्सा लेने की अपील करते हुए कहा कि भारत का राष्ट्रीय ध्वज देश का गौरव है और यह देश के लिए हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की निरंतर प्रेरणा देता है।

आज़ादी का 'अमृत महोत्सव' के तहत 2022 में शुरू हुआ 'हर घर तिरंगा' अभियान अब एक सालाना राष्ट्रीय परंपरा बन गया है, जिसमें करोड़ों नागरिक हर स्वतंत्रता दिवस पर स्वेच्छा से राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हमारा तिरंगा हमारा गौरव है और देश के लिए हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की निरंतर प्रेरणा है। आइए, हम हर घर तिरंगा अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लें और 'विकसित भारत' के निर्माण में योगदान देने के अपने सामूहिक संकल्प को दोहराएं।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें खुशी है कि इस साल की यह पहल राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' को समर्पित हैं, और वह भी ऐसे समय में जब देश इसकी 150वीं वर्षगांठ मना रहा है। हर घर तिरंगा' अभियान-2026, छह अगस्त को शुरू किया गया था और यह नौ अगस्त से 17 अगस्त तक पूरे देश में मनाया जाएगा।

भारत नागरिकों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने देश के सशस्त्र बलों की अद्वितीय वीरता का प्रदर्शन किया और दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। वह यहां दिल्ली छावनी के बेस अस्पताल में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

सिंह ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादियों और उनके आकाओं को खत्म करने तथा भारत पर बुरी नजर डालने की हिम्मत करने वालों को कड़ा सबक सिखाने के लिए सशस्त्र बलों की तारीफ़ की। पहलगाम के आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने मई 2025 में 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया था।

सिंह ने यहां बेस अस्पताल में 'सिंदूर महारक्तदान यात्रा' में कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर' ने हमारे रक्षा बलों की अद्वितीय वीरता को दिखाया। इसने दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अपनी महिलाओं के सिंदूर की रक्षा करते हुए अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। इस विशाल रक्तदान शिविर की तुलना करते हुए सिंह ने कहा कि यह करुणा का प्रतीक है, जबकि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने साहस का प्रदर्शन किया। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस शिविर में महाराष्ट्र के लगभग 1,000 पहलवानों और एथलीटों ने हिस्सा लिया तथा सशस्त्र बलों के प्रति निस्वार्थ सेवा और एकजुटता की भावना दिखाई। रक्तदान करने वालों का आभार जताते हुए केंद्रीय मंत्री ने भरोसा जताया कि आज दान किया गया खून भविष्य में ज़रूरतमंद सैनिकों और उनके परिवारों के लिए एक भरोसेमंद रिज़र्व के तौर पर काम आएगा।

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि हर रक्तदाता और रक्त लेने वाला, अपने-अपने तरीके से देश की सेवा कर रहा है, और लोगों, खासकर युवाओं से आग्रह किया कि वे रक्तदान को एक संस्कृति बनाएं।

मोदी ने राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेताओं से मुलाकात की, उनके प्रदर्शन की तारीफ की

नयी दिल्ली/दक्षिण भारत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों से पदक जीतकर लौटे भारतीय खिलाड़ियों से रविवार को मुलाकात की और प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें बधाई दी।

मोदी ने 'इंस्टाग्राम' पर खिलाड़ियों से हुई मुलाकात का एक छोटा वीडियो साझा किया। उन्होंने इस मुलाकात को खास बताया और देश का मान बढ़ाने के लिए खिलाड़ियों की प्रशंसा की। बाद में प्रधानमंत्री मोदी ने खिलाड़ियों के साथ हुई मुलाकात के बारे में ट्वीट भी किया। उन्होंने ने 'एक्स' पर कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, ''मुझे 7, लोक कल्याण मार्ग पर राष्ट्रमंडल खेल 2026 के पदक विजेताओं की मेजबानी करके बहुत प्रसन्नता हुई। उनके खेलों के अनुभवों के बारे में जाना। हर खिलाड़ी ने अपने शानदार प्रदर्शन से देश का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता कई युवाओं को प्रेरित करेगी। ''

इस दौरान खेल मंत्री मनसुख मांडविया भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री से मिलने वाले खिलाड़ियों में मुक्केबाज साक्षी चौधरी भी शामिल थीं जिन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में महिलाओं की 51 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था।

10-07-2026 सूर्यास्त 6:32 बजे | 11-08-2026 सूर्योदय 5:58 बजे

BSE	NSE
78,499.17	24,570.65(
(-455.55)	-65.35)

सोना	चांदी
15,703 रु.	250,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दलित सियासत

भारत के सर्वोच्च व्यक्ति को,
ऐसे ना कमतर तोलो।
लोकतंत्र की सुंदर छवि पर,
यूं ना कालिख को घोलो।
सच में तो है दलित सियासत,
इस दल-दल पर मुंह खोलो।
तीनों सेनाओं का मुखिया,
दलित हुआ कैसे बोलो।।

वर्ल्ड ट्राइबल डे

आदिवासी महिलाएं वर्ल्ड ट्राइबल डे के मौके पर पारंपरिक डांस करती हुईं, जिसे दुनिया के आदिवासी लोगों का इंटरनेशनल डे भी कहा जाता है। यह रविवार को मुंबई, महाराष्ट्र में मनाया गया।

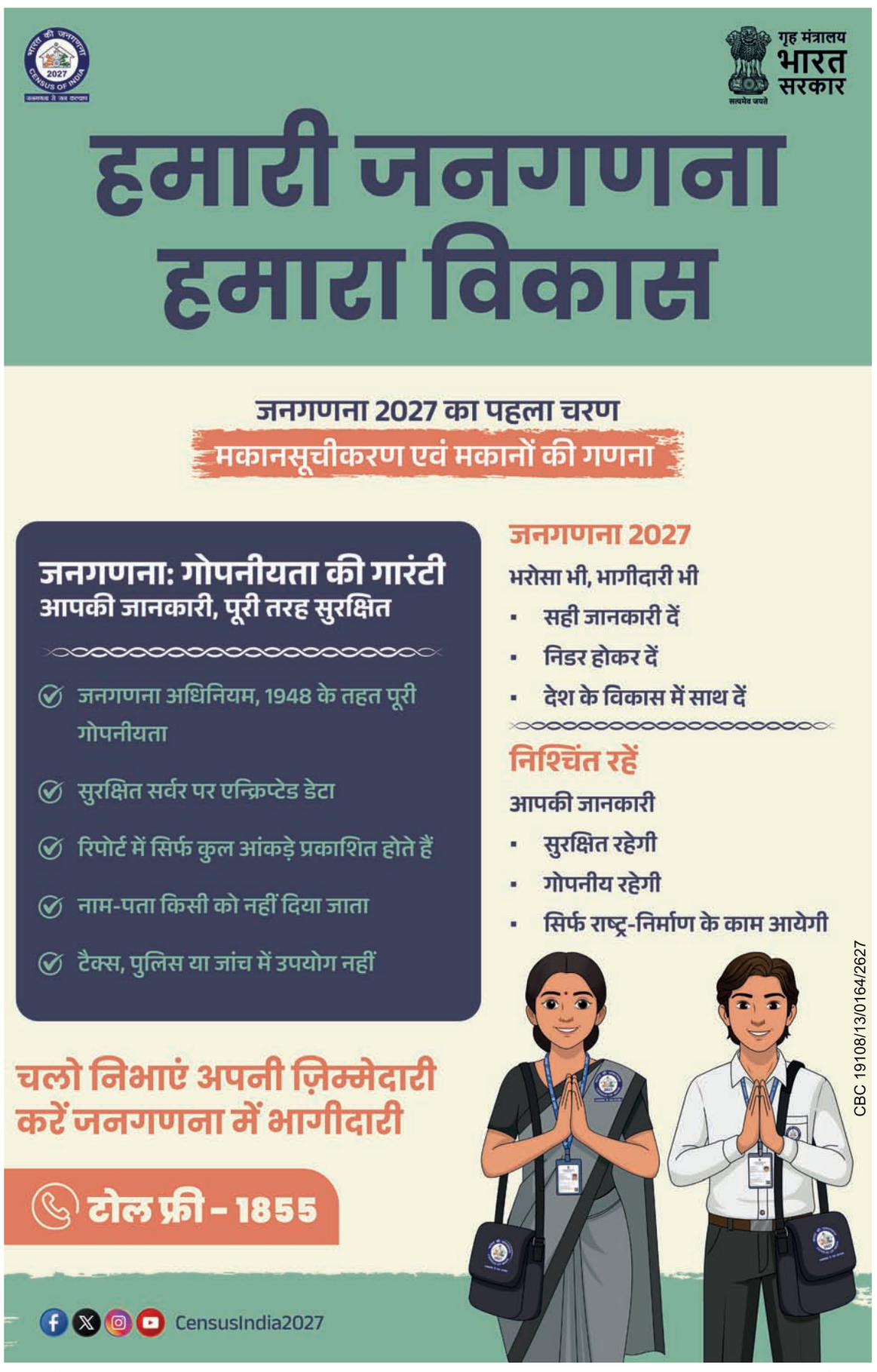

सोशल मीडिया के जरिए गुमराह करने वाली बाहरी ताकतों से सावधान रहें 'जेन जी': माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने जेन जी' से अपील करते हुए रविवार को कहा कि वे उन्हें गुमराह करने और वैश्विक मंच पर भारत को कमजोर करने का प्रयास कर रही ''बाहरी ताकतों'' का शिकार न बनें। माझी ने राज्य स्तरीय 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरुआत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के युवाओं को सशक्त बनाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन युवाओं को बाहरी ताकतों द्वारा ''गुमराह'' किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि भारत के युवा देशभक्त हैं और देश को आगे ले जाने का प्रयास करते हैं।

माझी ने कहा, ''मैं 'जेन जी' का आह्वान करता हूं कि वे उन बाहरी ताकतों और अदृश्य दुश्मनों से सावधान रहें जो विदेशी धरती से काम करते हैं और सोशल मीडिया के जरिए हमारे युवाओं को गुमराह करने की कोशिश करते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के युवाओं को सशक्त बनाने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन डिजिटल युग में युवाओं को बाहरी ताकतों द्वारा गुमराह किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन ये अदृश्य ताकतें अपने लक्ष्यों में कभी सफल नहीं होंगी। मेरी सलाह है कि युवा देशभक्ति को प्राथमिकता दें। युवाओं की एक ही आवाज है– हमारा देश सुरक्षित रहेगा!'' उन्होंने दावा किया कि कुछ ''बाहरी ताकतें'' डिजिटल मीडिया अभियानों के जरिए 'जेन–जी' को गुमराह करने और भारत को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रही हैं। 'जेन–जी' उस पीढ़ी को कहा जाता है जो 1997 से 2012 के

बीच पैदा हुई है। यह वह युवा वर्ग है जो तकनीक, इंटरनेट और सोशल मीडिया के साथ बड़ा हुआ है। इन्हें डिजिटल नेटिव्स भी कहा जाता है क्योंकि इनका जीवन स्मार्टफोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया से जुड़ा माना गया है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''आज के युवाओं को ऐसी ताकतों से दूर रहना चाहिए और देश की एकता के लिए काम करना चाहिए।'' माझी ने कहा कि युवा बाहरी ताकतों के मंसूबों के आगे नहीं झुकेंगे। उन्होंने कहा, ''कोई भी बाहरी ताकत भारत के युवाओं को कमजोर नहीं कर सकती। आज की तिरंगा यात्रा का उद्देश्य एकजुट रहना और बाहरी ताकतों को मुंहतोड़ जवाब देना है।'' उन्होंने युवाओं को भारत का भविष्य बताते हुए कहा कि ये वर्ग देश को ''विश्वगुरु'' के रूप में विकसित करेगा। माझी ने कहा, ''मैं ओडिशा के सभी युवाओं का आह्वान करता हूं कि वे आगे आएं और विकसित भारत का निर्माण करें।'' मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी संबलपुर से भारतीय जनता पार्टी के सांसद धर्मेंद्र प्रधान के उस दावे के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन के दौरान 'जेन–जी' को ''गुमराह'' करने की कोशिश की गई, इसी कारण उन्हें केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ा था। प्रधान ने कहा था, ''जेन–जी हमारे बच्चे हैं। कुछ लोगों ने उन्हें गुमराह करने की कोशिश की। तब मेरा कोई व्यक्तिगत मुद्दा नहीं था। भारत में हर साल कम से कम दो करोड़ बच्चे पैदा होते हैं। पिछले 10 वर्षों के दौरान 20 करोड़ बच्चों का जन्म हुआ। उनकी अपनी आकांक्षाएं हैं, और वे भारत को विश्वगुरु' बनाएंगे। मेरे लिए पद महत्वपूर्ण नहीं था।''

राज्य स्तरीय 'तिरंगा यात्रा' में उप मुख्यमंत्री के. वी. सिंह देव और प्रवती परिदा के अलावा अन्य मंत्री, अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए। माझी ने लोगों से इस राष्ट्रीय उत्सव को पर्यावरण के अनुकूल बनाने का भी आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि प्लास्टिक के झंडों की जगह केवल कपड़े के झंडों का उपयोग करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलों में 60 लाख झंडे वितरित किए गए हैं और कार्यक्रमों के आयोजन के लिए प्रत्येक जिले को 10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी गई है।

बाढ़ के 20 दिन बाद भी पानी में डूबा हुआ है शिवसागर निवासी महिला का मकान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवसागर/भाषा। असम के शिवसागर कस्बे की निवासी नसीमन जमां भीषण बाढ़ के 20 दिन बाद रविवार को जब अपने घर वापस लौटीं तो वह खराब हो चुकी शादी की एलबम, दिवंगत मां की ओर से दिए गए डिनर सेट के बिखरे हुए टुकड़े, बेटियों की उलटी पड़ी हुईं पढ़ाई में इस्तेमाल होने वाली मेजें और अन्य सामान देखकर भावुक हो गईं। जमां 20 दिन पहले अपनी दो बेटियों के साथ घर छोड़कर सुरक्षित जगह चली गई थीं। घर के अंदर अब भी टखनों तक पानी भरा हुआ है। वह इस बात को लेकर चिंतित है कि वे वहां दोबारा कब रहने के लिए लौट पाएंगे; लेकिन उससे भी बड़ी चिंता यह है कि जब फिर से तेज बारिश होगी तो उन्हें कौन भरोसा दिलाएगा कि ऐसी तबाही दोबारा नहीं होगी।

जमां ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, हमारा घर मेरे पति के परिवार की पुश्तैनी जमीन पर बना है। हमारे घर के बगल में मेरे देवर का घर है और उसके आगे उनके चचेरे भाई का घर है। हमारे सभी घरों में पानी भर गया है। कुछ लोगों की स्थिति हमसे भी ज्यादा खराब है। जमां 21 जुलाई को शाम करीब 6 बजे जब अपनी दो नाबालिग बेटियों के साथ घर से निकलीं, तब उनके दो मंजिला मकान में चार फुट पानी भर चुका था। उन्होंने दिन में चार मजदूरों की मदद से घर का कुछ सामान निर्माणाधीन ऊपरी मंजिल पर रखवा दिया था। जमां ने उस डरावने समय को याद करते हुए कहा, मेरे पति, जो सरकारी कर्मचारी हैं, सरकारी काम से गुवाहाटी गए हुए थे। दोपहर के आसपास घर में पानी आना शुरू हुआ और छह घंटे के अंदर पानी लगभग मेरे सीने तक पहुंच गया था। अंधेरा होने लगा था, बिजली काट दी गई थी और हम किसी तरह बाहर निकल पाए।

तब से वे शहर के दूसरे हिस्से में स्थित अपनी ननद के घर में रह रही हैं। उनके अलावा, उनके देवर का परिवार भी उसी घर में रह रहा है। वह कुछ इलेक्ट्रॉनिक सामान, कुछ कपड़े, गहने और जरूरी दस्तावेज बचा पाईं। बाकी सामान, जिसमें सोफा सेट, बिस्तर, अलमारी और बर्तन शामिल हैं, सब पानी से खराब हो गए। जमां ने स्वीकार किया कि नए सिरे से शुरुआत करना एक चुनौती होगी।

जेएनयू ने उमर खालिद की किताब से जुड़े कार्यक्रम की अनुमति रद्द की, छात्र संघ ने जताया विरोध

नई दिल्ली/भाषा। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने रविवार को कहा कि विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र उमर खालिद की लिखी किताब पर होने वाली परिचर्चा के लिए दी गई अनुमति नौ अगस्त को रद्द कर दी गई। खालिद 2020 के उत्तर–पूर्वी दिल्ली दंगा मामले की कथित साजिश के सिलसिले में जेल में है। विश्वविद्यालय ने कहा कि कार्यक्रम के बारे में ''पूरी जानकारी नहीं देने'' के कारण अनुमति रद्द की गई।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) ने अनुमति रद्द किए जाने को प्रशासन का मनमाना और ''तानाशाहीपूर्ण'' फैसला बताया। छात्र संघ ने आरोप लगाया कि प्रशासन, अकादमिक चर्चा और असहमति की आवाज को दबाने का प्रयास कर रहा है। छात्रसंघ द्वारा अंतरराष्ट्रीय आदिवासी अधिकार दिवस पर द्वारा आयोजित की जा रही यह परिचर्चा उमर खालिद की किताब फ्रैक्चर्ड कम्युनिटीज : आदिवासी हिस्ट्री एंड द पॉलिटिक्स ऑफ पावर'' पर होनी थी। कार्यक्रम शाम तीन बजे स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज–1 (एसएसएस–1) के सभागार में आयोजित किया जाना निर्धारित था। कार्यक्रम के पोस्टर के अनुसार, इसमें प्रोफेसर प्रभु महापात्र, उमा चक्रवर्ती, शुद्धब्रत सेनगुप्ता और सामाजिक कार्यकर्ता हर्ष मंदर व बानोज्योत्सना शामिल होने वाले थे।

केरल के मुख्यमंत्री ने लापता मछुआरों की तलाश में चूक के आरोपों का खंडन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने कोल्लम और तिरुवनंतपुरम जिलों में अलग–अलग नौका दुर्घटनाओं के बाद लापता हुए तीन मछुआरों की तलाश में किसी भी तरह की चूक होने के विपक्ष के आरोपों को खारिज कर दिया। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने आरोप लगाया था कि 31 जुलाई को कोल्लम में नींदकारा, तिरुवनंतपुरम में विड़िण्गम एवं मुथलाप्पोज़ी के पास मछुआरों के लापता होने के बाद पूर्ण तलाश अभियान शुरू करने में देरी हुई। सतीशन ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि लापता मछुआरों का पता लगाने के लिए पिछले नौ दिनों से लगातार तलाश अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछली वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार के कार्यकाल में जब 148 लोग लापता हो गए थे, तब भी इतना लंबा तलाश अभियान नहीं चलाया गया था।

सतीशन ने कहा, ''अगर कोई मछुआरा समुद्र में लापता हो जाता था, तो उसके परिवार को मुआवज़ा पाने के लिए सात साल तक इंतजार करना पड़ता था। इस सरकार ने यह सब बदल दिया। अब समय बर्बाद करने की गुंजाइश नहीं है।'' उन्होंने कहा कि राज्य के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि केंद्र सरकार की मदद से पिछले नौ दिनों से खोज अभियान चलाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''और कहां नौ दिनों तक तलाशी अभियान चलाया गया?'' भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि वह तलाश अभियान को लेकर किसी विवाद में नहीं पड़ना चाहते हैं। राज्य सरकार के एक मंत्री ने उनसे संपर्क किया था और तलाश अभियान में केंद्र की मदद के लिए उनका समर्थन मांगा था। चंद्रशेखर ने कहा, ''मैंने तत्काल रक्षा मंत्री और प्रधानमंत्री कार्यालय से बात की। उसी दिन दोपहर से ही तटरक्षक बल और नौसेना पूरी तरह काम पर लग गयी थी। उनकी तलाश के लिए अभियान नौ–10 दिनों से चल रहा है।'' उन्होंने कहा, ''मैं उनके परिवारों से मिलने जा रहा हूं। मेरी प्रार्थना और उम्मीद है कि वे मिल जाएं।''

'तीसरी मुंबई' बाहरियों को करेगी आकर्षित, सरकार के रवैये से स्थानीय लोगों को होगा नुकसान : राज ठाकरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायगढ़/भाषा। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने रविवार को राज्य सरकार पर प्रस्तावित तीसरी मुंबई' शहर से जुड़ी विकास योजनाओं को लेकर लोगों को अंधेरे में रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इसके लिए जमीन तो स्थानीय लोग देंगे लेकिन फायदा बाहरी लोग उठायेंगे। 'तीसरी मुंबई' या करनाला–साई–चिरनेर (केएससी) न्यू टाउन' एक नियोजित स्मार्ट सिटी होगी, जो तटीय रायगढ़ जिले के 124 गांवों के लगभग 323–334 वर्ग किलोमीटर के इलाके में फैली हुई होगी। इस नए शहर को विकसित करने का उउद्देश्य मुंबई महानगर क्षेत्र में भीड़–भाड़ कम करना और इलाके में आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।

ठाकरे ने यहां प्रेसवार्ता में दावा किया कि आम लोगों को 'तीसरी मुंबई'के बारे में सरकार की योजनाओं की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि इस प्रस्तावित शहर में एजुकेशन सिटी, मेडिकल सिटी, स्पोर्ट्स सेंटर, डेटा सेंटर', ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर' और अनुसंधान केंद्र जैसी सुविधाएं होंगी। ठाकरे ने सवाल किया, ''क्या महाराष्ट्र को पता है कि सरकार का (तीसरी मुंबई के सिलसिले में) क्या करने का इरादा है? क्या हमारे युवा इसके लिए तैयार हैं?'' उन्होंने कहा कि रायगढ़ के पेन, पनवेल और उरण तालुका के स्थानीय लोगों से जमीन ली जा रही है। ठाकरे ने सवाल किया, राज्य सरकार स्थानीय लोगों के लिए क्या कर रही है? क्या सरकार युवाओं को इस नए शहर के लिए तैयार कर रही है?

मांडविया ने गुजरात में 'फिट इंडिया' कार्यक्रम के दौरान साइकिल रैली का नेतृत्व किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भावनगर (गुजरात)/भाषा। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने गुजरात के भावनगर जिले में 'फिट इंडिया–संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम के 85वें राष्ट्रीय आयोजन का नेतृत्व करते हुए कहा कि स्वस्थ और सशक्त युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। युवा मामले और खेल मंत्री मांडविया ने युवाओं, ग्रामीणों और खेल प्रेमियों की बड़ी भागीदारी के बीच पालिताना तालुका के मॉडल गांव हनोल में साइकिल चलाकर शारीरिक फिटनेस, पर्यावरण के अनुकूल यात्रा और नशामुक्त जीवनशैली का संदेश दिया।

एक विज्ञप्ति में मांडविया के हवाले से कहा गया, आइए, 'संडे ऑन साइकिल' को एक जन आंदोलन बनाएं और स्वस्थ भारत के निर्माण में भाग लें। पोरबंदर से लोकसभा सांसद मांडविया ने हनोल से नेसड़ी और नोघणवदार तक छह किलोमीटर लंबी साइकिल रैली में हिस्सा लिया और 'फिट इंडिया–नशामुक्त भारत' का संदेश दिया। उन्होंने कहा, स्वस्थ और सशक्त युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने युवाओं को खेल और फिटनेस गतिविधियों से जोड़ने और नशे से दूर रखने के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत पर जोर दिया।

पूर्व प्रेमिका और उसकी बहन की झूठा मामला दर्ज कराने की धमकी से परेशान युवक ने आत्महत्या की

मुंबई/भाषा। मुंबई के बांद्रा पश्चिम उपनगर में 24 वर्षीय एक युवक ने कथित तौर पर पूर्व प्रेमिका और उसकी बहन द्वारा झूठे पुलिस मामले में फंसाने की धमकी दिए जाने से परेशान होकर 13वीं मंजिल स्थित अपने फ्लैट से कूदकर आत्महत्या कर ली। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि छह अगस्त को युवक की मौत के बाद उसकी मां की शिकायत पर पुलिस ने दो महिलाओं के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित अपने माता–पिता और छोटे भाई के साथ बांद्रा ईस्ट में रहता था और पहले एक न्यायाधीश के साथ विधि लिपिक के रूप में काम कर चुका था। अधिकारी ने बताया कि युवक हाल के दिनों में तनाव व अवसाद में था।

चर्च के स्वामित्व को लेकर आर्थोडॉक्स और जाकोबाइट धड़ों के पादरियों के बीच झड़प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल के मुवाट्टुपुषा में रविवार को एक चर्च के स्वामित्व को लेकर मलंकारा आर्थोडॉक्स और जाकोबाइट सीरियन गुटों के पादरियों के बीच झड़प हो गई, जिसके बाद पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना सुबह मुवाट्टुपुषा के निकट पीरामाडोम स्थित सेंट जॉन्स बेथलहम चर्च में हुई। पुलिस के अनुसार, यह चर्च मलंकारा आर्थोडॉक्स और जाकोबाइट सीरियन गुटों के बीच स्वामित्व को लेकर लंबे समय से जारी विवाद का केंद्र रहा है। वर्तमान में इस चर्च पर जाकोबाइट गुट का नियंत्रण है। पुलिस ने बताया कि आर्थोडॉक्स गुट के कुछ पादरी मुवाट्टुपुषा उप–अदालत के उस फैसले का हवाला देते हुए रविवार को चर्च पहुंचे, जिसमें कथित तौर पर स्वामित्व विवाद में उनके पक्ष में फैसला सुनाया गया था।

हालांकि, चर्च में मौजूद जाकोबाइट गुट के पादरी और समुदाय के लोगों ने इस कदम का विरोध किया और दावा किया कि मुफस्सिल अदालत ने कथित तौर पर उनके पक्ष में फैसला दिया है। पुलिस ने कहा कि दोनों गुटों के पादरियों के बीच कहासुनी धक्का–मुक्की में बदल गई। सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत करने का प्रयास किया। हालांकि, जब दोनों में से कोई भी पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं हुआ तो पुलिस ने चर्च को बंद कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि जिला प्रशासन ने मामले में हस्तक्षेप किया है और दोनों गुटों के प्रतिनिधियों को सोमवार शाम को चर्चा के लिए बुलाया है। पुलिस ने कहा कि दोनों गुटों ने आरोप लगाया है कि इस झड़प में उनके पादरी घायल हुए हैं, लेकिन शिकायतें मिलने के बाद मामले दर्ज किए जाएंगे। आर्थोडॉक्स और जाकोबाइट गुटों के बीच विवाद कई वर्षों से देखने में आ रहा है और दोनों गुटों की संपत्तियों तथा चर्च के नियंत्रण को लेकर अदालत के कई फैसले आ चुके हैं।

कांग्रेस ने 2023 में बड़े पैमाने पर सांसदों के निलंबन को याद किया, कहा-इतिहास दोहराया न जाए

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रविवार को याद दिलाया कि 2023 में संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान कैसे रिकॉर्ड संख्या में 146 सांसदों को निलंबित किया गया था और विपक्षी सदस्यों की नाममात्र मौजूदगी में कई अहम विधेयक पारित किए गए थे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इतिहास दोहराया नहीं जाना चाहिए। रमेश की टिप्पणी अहम मानी जा रही है, क्योंकि यह संसद के मौजूदा मानसून सत्र के आखिरी हफ्ते से ठीक पहले आई है, जिसमें विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन (एफसीआरए) विधेयक, 2026 सहित कई अन्य महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा होने की संभावना है।

कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 13 दिसंबर 2023 को जब संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा था, तो दो लोग नारे लगाते हुए और कनस्तरों से पीला धुआं छोड़ते हुए दर्शक दीर्घा से लोकसभा में कूद पड़े। उन्होंने लिखा, उसी समय संसद भवन के बाहर दो अन्य लोगों ने कनस्तर से रंगीन धुआं छोड़ा। यह सुरक्षा में एक चौंकाने वाली और गंभीर चूक थी। रमेश ने कहा, पूरे विपक्ष ने केंद्रीय गृह मंत्री से बार–बार बयान देने की मांग की, लेकिन उनकी ओर से कोई बयान नहीं आया। वह चुप रहे, ठीक उसी तरह जैसे पिछले महीने दिल्ली पुलिस की ओर से विरोध–प्रदर्शन कर रहे युवाओं के खिलाफ की बर्बरता के मामले में वह चुप हैं। उन्होंने कहा कि 14 दिसंबर 2023 से 21 दिसंबर 2023 के बीच रिकॉर्ड संख्या में 146 सांसदों (लोकसभा में 100 और राज्यसभा में 46) को निलंबित किया गया।

बारामती में प्रशिक्षण विमान अभ्यास के दौरान हवाईपट्टी से बाहर निकला, कोई हताहत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के पुणे जिले में बारामती हवाई पट्टी पर रविवार को प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान एक निजी विमानन अकादमी का विमान रनवे से बाहर निकल गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, अपराह्न करीब साढ़े 12 बजे हुई इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इस साल 28 जनवरी को महाराष्ट्र के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य लोगों को ले जा रहा एक निजी विशेष विमान बारामती हवाई पट्टी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और उसमें सवार सभी लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि रविवार को 'कार्वर एविएशन' का वीटी–एसईएक्स विमान प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान रनवे से बाहर निकल गया। विमान में एक पायलट और एक प्रशिक्षु सवार थे।

उन्होंने बताया कि अभ्यास के दौरान रनवे पर चलते समय विमान को निर्धारित स्थान पर रोका नहीं जा सका और वह रनवे के अंतिम छोर से करीब 20 फुट आगे निकलकर घास वाले हिस्से में चला गया। विमान 'सर्किट एंड लैंडिंग इमरजेंसी' (प्रशिक्षण के दौरान हवाई अड्डे के आसपास निर्धारित स्थल पर चक्कर लगाकर उतरने और आपात स्थितियों से निपटने के) अभ्यास के लिए रनवे पर आया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विमान ने पहले रनवे संख्या 29 पर 'रिजेक्टेड टेक–ऑफ' (उड़ान भरने की प्रक्रिया शुरू करने के बाद उसे बीच में रोक देने) का अभ्यास किया। इसके बाद रनवे संख्या 11 पर भी 'रिजेक्टेड टेक–ऑफ' का अभ्यास किया गया। अधिकारी ने कहा, इस अभ्यास के दौरान विमान को रनवे पर पूरी तरह नहीं रोका जा सका और वह रनवे के अंतिम छोर से आगे निकल गया।'' उन्होंने बताया कि इस दौरान किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। इससे पहले 13 मई को एक अन्य निजी कंपनी के प्रशिक्षण विमान को तकनीकी खराबी के बाद बारामती हवाई पट्टी के पास आपात स्थिति में उतारना पड़ा था।

अनंतपुर जिले में पुल से गिरी बस, 23 यात्री घायल

पामिडी/भाषा। हैदराबाद से 34 लोगों को लेकर बेंगलूरु जा रही एक निजी बस रविवार तड़के अनंतपुर जिले में एक मालवाहक वाहन से टकराने के बाद पुल से नीचे गिर गई, जिससे 23 यात्री घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, हादसा तड़के करीब चार बजे गूटी से करीब नौ किलोमीटर दूर पामिडी थाना क्षेत्र में हुआ। बस में सवार 34 लोगों में से 11 को कोई चोट नहीं आई है, जबकि अन्य 23 यात्री घायल हो गए। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई गई है।

एक अधिकारी ने कहा, ''प्रारंभिक जांच के अनुसार, हादसा वन–वे' राजमार्ग पर हुआ, जहां विपरीत दिशाओं में जाने वाले वाहनों के लिए अलग–अलग पुल बनाए गए हैं। सड़क चौड़ी है, लेकिन पुल के पास इसकी चौड़ाई करीब दो फुट कम हो जाती है। मालवाहक वाहन का चालक संभवतः सड़क के संकरे होने पर ध्यान नहीं दे पाया होगा, जिससे वाहन बाईं ओर बनी सुरक्षा दीवार से टकरा गया।

'कांग्रेस नेता ऐसे बयानों से बचें जिससे भाजपा खुश हो'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलप्पुझा/भाषा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने रविवार को कहा कि कांग्रेस नेताओं को बातचीत के दौरान सावधानी बरतनी चाहिए और ऐसे बयान देने से बचना चाहिए जिनसे भाजपा को खुशी हो।

केरल के अलप्पुझा से लोकसभा सदस्य वेणुगोपाल ने यह टिप्पणी पार्टी के वरिष्ठ नेता शशि थरूर के उस बयान के संदर्भ में की जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम 'जेन जी' के बीच उतना लोकप्रिय नहीं हुआ जितना 'कॉकरोच जनता पार्टी' का विरोध प्रदर्शन। वेणुगोपाल ने कहा, जहां तक ''मुझे पता है, मैंने उनका बयान केवल कुछ मीडिया चैनलों पर ही देखा है। मैं ठीक–ठीक यह नहीं सुन पाया कि उन्होंने क्या कहा।'' कांग्रेस महासचिव ने कहा कि तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर की टिप्पणियों के बारे में उन्हीं से सीधा पूछा जाना चाहिए। हालांकि यह भी कहा कि कांग्रेस नेताओं को सार्वजनिक बयान देते समय सावधानी बरतनी चाहिए। वेणुगोपाल ने कहा, ''भले ही कांग्रेस सदस्य हमेशा पार्टी के नियमों या अनुशासन का सख्ती से पालन न करते हों, लेकिन हमें ऐसे बयान देने से बचना चाहिए जिनसे केवल भाजपा को खुशी मिले।''

उन्होंने कहा, ''अगर कोई राहुल गांधी में कोई कमी निकालता है या उनके बारे में नकारात्मक बातें कहता है, तो भाजपा को बहुत खुशी होगी, यह उनके लिए सबसे खुशी की बात होगी।'' वेणुगोपाल ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि थरूर ने जान–बूझकर ऐसी बातें कही होंगी। उन्होंने कहा, हम सभी को ध्यान रखना चाहिए, चाहे अनजाने में ही सही कि ऐसी बातें न कहें। मुझे लगता कि उन्होंने यह जान–बूझकर नहीं कहा था, और न ही उनके ऐसा जान–बूझकर कहने की संभावना है।''

वेणुगोपाल ने कहा कि प्रयागराज में राहुल गांधी के कार्यक्रम में भारत की 'जेन जी' पीढ़ी ने हिस्सा लिया और आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने इस कार्यक्रम में बाधा डालने की कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया, ''योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इलाहाबाद (प्रयागराज) में उस कार्यक्रम में बाधा डालने की पूरी कोशिश की। उन्होंने कार्यक्रम स्थल तक जाने वाले रास्ते पर इंसानी मल भी फैला दिया था।'' वेणुगोपाल ने दावा किया कि कॉलेज प्रबंधन पर कथित तौर पर दबाव डाले जाने के बाद शुरुआत में कार्यक्रम आयोजित करने की मंजूरी देने से मना कर दिया गया था, और बाद में इजाज़त तो मिल गई, लेकिन रास्ते में गंदगी फैला दी गई। उन्होंने कहा, ''लेकिन कल इलाहाबाद में क्या नजारा देखने को मिला? वे आम कांग्रेस कार्यकर्ता, युवा कांग्रेस या एनएसयूआई के सदस्य नहीं थे। वे भारत की असली जेन जी'थी।''

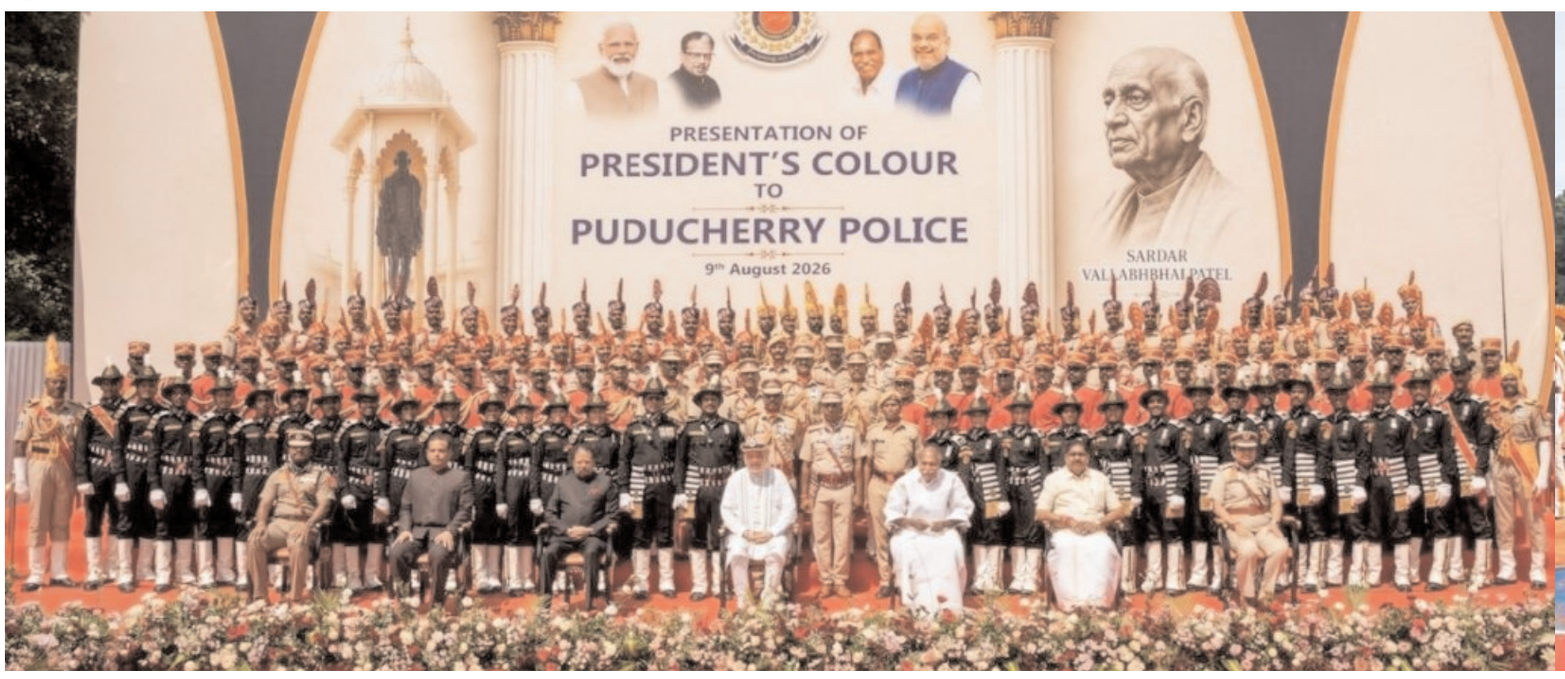

गृह मंत्री अमित शाह ने पुडुचेरी पुलिस को राष्ट्रपति ध्वज प्रदान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पुडुचेरी पुलिस को 'राष्ट्रपति ध्वज' (प्रेसिडेंट्स कलर) प्रदान किया।

उन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में बल की प्रतिबद्धता और समर्पण की सराहना की। शाह ने अंग्रेजों के जमाने के रद्द किए गए आपराधिक कानूनों का जिक्र किया, जिनमें भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) भी शामिल है। उन्होंने कहा कि आईपीसी की जगह लागू की गई भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) का उद्देश्य नागरिकों के लिए न्याय सुनिश्चित करना है। पुडुचेरी के पुलिस बल को राष्ट्रपति ध्वज प्रदान करने के बाद अपने संबोधन में शाह ने कहा कि नये आपराधिक कानून तीन स्तंभों प्रौद्योगिकी, समयसीमा और विश्वास' पर आधारित हैं। पुडुचेरी के विकास के प्रति केंद्र की प्रतिबद्धता रेखांकित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दृष्टिकोण इस केंद्र-शासित प्रदेश को मजबूत करना रहा है। उन्होंने कहा कि पुडुचेरी को मजबूत बनाने के लिए कई विकास योजनाएं शुरू की गई हैं। इनमें पिछले नौ वर्षों में 39,000 करोड़ रुपये का निवेश और हजारों करोड़ रुपये की लागत से सड़कों के विस्तार से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। शाह ने कहा कि 1950 से 2014 के बीच पुडुचेरी को केंद्र की ओर से करीब 3,500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, जबकि 2014 से 2026 के बीच राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने केंद्र-शासित प्रदेश को 13,762 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि लखपति दीदी, उज्ज्वला और प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और शौचालयों के निर्माण जैसी विभिन्न सरकारी पहलों से पुडुचेरी के सात लाख नागरिकों को लाभ मिला है।

शाह ने कहा, पुडुचेरी पुलिस को निशान (राष्ट्रपति ध्वज) मिला है। इस स्वर्णिम अवसर पर मैं प्रधानमंत्री मोदी की ओर से आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि सरकार केंद्र-शासित प्रदेश के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पुडुचेरी में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल के समर्पण और प्रतिबद्धता की सराहना की। शाह ने कहा कि भौगोलिक रूप से पुडुचेरी दक्षिण भारत के अलग-अलग राज्यों में फैला हुआ है और इसके कुछ हिस्से तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश के यानम और केरल के माहे में स्थित हैं। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रपति ध्वज मिलना किसी भी पुलिस बल के लिए सबसे सम्मानजनक पल होता है। पुडुचेरी पुलिस की संख्या करीब 5,000 है और वह केंद्र-शासित प्रदेश की सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा बनाए रख रही है। आप यह काम किसी फाइल या आदेश के कारण नहीं, बल्कि अपनी प्रतिबद्धता और समर्पण की भावना से करते हैं।'' गृह मंत्री ने कोविड-19 महामारी के चुनौतीपूर्ण दौर को याद करते हुए कहा कि उस समय वह राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों की स्थिति की समीक्षा किया करते थे। उन्होंने कहा कि पुडुचेरी पुलिस ने लोगों, खासकर महिलाओं और बच्चों की सेवा के लिए अतिरिक्त प्रयास किए। शाह ने गोरिमेडु स्थित पुडुचेरी सशस्त्र पुलिस मैदान में आयोजित आधिकारिक समारोह में बल के 'एनसाइन ऑफीसर' को राष्ट्रपति ध्वज प्रदान किया। इस मौके पर पुलिस महानिदेशक शालिनी सिंह भी मौजूद थीं। उपराज्यपाल के कैलाशनाथन, मुख्यमंत्री एन रंगासामी और गृह मंत्री ए नमस्सिवायम समेत कई गणमान्य लोग भी समारोह में उपस्थित थे। पुडुचेरी और वहां के लोगों की प्रशंसा करते हुए शाह ने कहा कि करीब 230 वर्षों तक फ्रांसीसी शासन के अधीन रहने के बावजूद पुडुचेरी ने अपनी

''भारतीयता और आध्यात्मिक ऊर्जा'' को बनाए रखा है। उन्होंने इस आध्यात्मिक ऊर्जा का श्रेय ऑरबिंदो और मदर को दिया तथा कहा कि अब यह ऊर्जा पूरे देश में फैल चुकी है। शाह ने कहा, ''पुडुचेरी दक्षिण भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता का प्रतीक है।'' मुख्यमंत्री रंगासामी ने अपने संबोधन में केंद्र-शासित प्रदेश प्रशासन को लगातार सहयोग देने और उसके लिए धनराशि मंजूर करने को लेकर प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्रालय का आभार जताया। इस अवसर पर पुलिसकर्मियों का अभिनंदन करते हुए रंगासामी ने कहा कि केंद्र-शासित प्रदेश की पुलिस ने अपराधों की रोकथाम और उनका पता लगाने के साथ-साथ दोषसिद्धि का अच्छा रिकॉर्ड कायम करने में भी उपलब्धियां हासिल की हैं। रंगासामी ने कहा कि पुडुचेरी पुलिस को राष्ट्रपति ध्वज प्रदान किया जाना वर्दीधारी जवानों की ईमानदारी, समर्पण और अनुशासन को ''उचित मान्यता देना'' है। उपराज्यपाल कैलाशनाथन ने कहा कि केंद्र ने इंडिया रिजर्व बटालियन (आईआरबीएन) की एक और इकाई स्थापित करने को मंजूरी दी है। इस दूसरी इकाई में करीब 1,000 युवाओं को भर्ती किया जाएगा।

उन्होंने पुलिस से प्रधानमंत्री की अपील के अनुरूप पुडुचेरी को नशामुक्त बनाने की दिशा में काम करने का आह्वान किया। पुलिस महानिदेशक शालिनी सिंह ने साइबर अपराध और कानून-व्यवस्था समेत पुलिस विभाग की विभिन्न शाखाओं के कामकाज और उपलब्धियों का विवरण दिया। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि शांतिपूर्ण माहौल के कारण पुडुचेरी को यहां के लोगों और पर्यटकों के लिए सबसे सुरक्षित स्थान के रूप में पहचाना जाए।

मद्रास उच्च न्यायालय में 15 नए न्यायाधीशों की नियुक्ति

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के तौर पर रविवार को आठ अधिवक्ताओं और सात न्यायिक अधिकारियों ने शपथ ली। उच्च न्यायालय परिसर में आयोजित एक सादे समारोह में, मुख्य न्यायाधीश एस.ए. धर्माधिकारी ने नए न्यायाधीशों को पद की शपथ दिलाई। मद्रास उच्च न्यायालय में इन 15 नए न्यायाधीशों की नियुक्ति के साथ ही कुल न्यायाधीशों की संख्या 66 हो गई है जबकि स्वीकृत पद 75 है। नव नियुक्त स्थायी न्यायाधीशों में कृष्णास्वामी गोविंदराजन, रजनीश पथियिल, नटराजन रमेश, जी के मुथुकुमार और रामकृष्णन राजेश विवेकानंथन शामिल हैं। बार से दो साल की अवधि के लिए नियुक्त अतिरिक्त न्यायाधीशों में न्यायमूर्ति शंकरनारायणन रवीकुमार, न्यायमूर्ति नागराजन दिलीप कुमार और न्यायमूर्तिएलप्पन मनोहरन शामिल हैं। इनके अलावा दो साल की अवधि के लिए अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत न्यायिक अधिकारियों में डॉ. पी मुरुगन, एमडी सुमति, एस अल्ली, सी थिरुमगल चंद्रशेखर, शणमुगम कार्तिकेयन, बलुचामी मुरुगेसन और एन गुनासेकरन शामिल हैं।

दंपत्तियों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहन दे सकती है तमिलनाडु सरकार : मंत्री

चेन्नई। तमिलनाडु में घटती कुल प्रजनन दर पर चिंता जताते हुए स्वास्थ्य मंत्री के. जी. अरुणराज ने रविवार को संकेत दिया कि बढ़ती बुजुर्ग आबादी से संबंधित चुनौतियों से निपटने के लिए राज्य सरकार दंपतियों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहन देने पर विचार कर सकती है। दक्षिण भारत प्रसूति एवं स्त्री रोग सोसायटी की अर्ध वार्षिक कार्यशाला को संबोधित करते हुए अरुणराज ने कहा कि राज्य की कुल प्रजनन दर गिरकर 1.4 से भी नीचे चली गई है, जबकि जनसंख्या को स्थिर बनाए रखने के लिए यह दर 2.1 होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य की करीब 16% आबादी 60 वर्ष से अधिक उम्र की है और यह जनसांख्यिकीय बदलाव सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती है। मंत्री ने कहा कि तमिलनाडु घटती जन्म दर और दीर्घकाल में पड़ने वाले इसके जनसांख्यिकीय प्रभावों को देखते हुए पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश जैसी नीतियों पर विचार कर सकता है। आंध्र प्रदेश में तीसरे बच्चे के लिए दंपतियों को प्रोत्साहन दिया जाता है। उन्होंने कहा, हमें बताया कि आंध्र प्रदेश जैसे स्थानों में ऐसी सरकारी योजनाएं हैं, जिनके तहत दंपतियों को तीसरा बच्चा पैदा करने के लिए प्रोत्साहन दिया जाता है।

प्रस्तावित परिसीमन तमिलनाडु के राजनीतिक अधिकारों, प्रतिनिधित्व के लिए खतरा : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया का रविवार को कड़ा विरोध करते हुए इसे दक्षिणी राज्यों की आवाज के लिए सीधा खतरा करार दिया। पार्टी ने आगाह किया कि प्रस्तावित परिसीमन के कारण तमिलनाडु के राजनीतिक अधिकारों और प्रतिनिधित्व पर खतरा मंडरा रहा है।

तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) के अध्यक्ष मणिकम टैगोर और पार्टी सांसद प्रवीण चक्रवर्ती ने चेन्नई में आयोजित रैली में दावा किया कि प्रस्तावित परिसीमन से संसद में दक्षिणी राज्यों की आवाज दब जाएगी। टैगोर ने कहा कि सीटों की संख्या में 50 फीसदी की एक समान वृद्धि से तमिलनाडु (पुडुचेरी सहित) का प्रतिनिधित्व 40 सीट से बढ़कर 60 हो जाएगा, जबकि उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व 80 सीट से बढ़कर 120 हो जाएगा, जिससे दोनों राज्यों के बीच प्रतिनिधित्व का अंतर 40 सीट से बढ़कर 60 का हो जाएगा। उन्होंने कहा, हमारा रुख साफ है : न तो परिसीमन हो और न ही सीटों की संख्या बढ़ाई जाए। टैगोर ने मौजूदा व्यवस्था के तहत महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित करने की वकालत की। उन्होंने केंद्र के प्रस्ताव का समर्थन करने या उसे आगे बढ़ाने वाले नेताओं को आज के दौर के एड्डाप्पन (गद्दार) करार दिया, जो राज्य के राजनीतिक अधिकार से समझौता कर रहे हैं। इस बीच, परिसीमन पर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के रुख और राज्य सरकार की हालिया बैठक में पार्टी की अनुपस्थिति के बारे में पूछे जाने पर द्रमुक नेता कनिमोई सोमू ने संबंधित बैठक को सिर्फ नाम के लिए बुलाई गई बैठक बताकर खारिज कर दिया।

कनिमोई ने कहा कि मौजूदा सरकार के पास प्रशासनिक अनुभव और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) की कमी है। उन्होंने कहा कि एमके स्टालिन के नेतृत्व में द्रमुक ने राष्ट्रीय स्तर पर संसदीय सीटों में तमिलनाडु की उचित हिस्सेदारी के लिए लगातार लड़ाई लड़ी है।

भाजपा के प्रति द्रमुक के रुख को लेकर हो रही आलोचनाओं का जवाब देते हुए कनिमोई ने कहा कि राजनीति में किसी को भी दोस्त या दुश्मन नहीं कहा जा सकता। उन्होंने साफ किया कि द्रमुक सिर्फ उसी बात का समर्थन करेगी, जो तमिलनाडु के हित में हो।

सत्यमंगलम वन क्षेत्र में हाथी ने किसान को कुचला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इरोड। सत्यमंगलम टाइगर रिजर्व (एसटीआर) में रविवार तड़के एक हाथी ने 62 वर्षीय किसान को कुचल दिया जिससे उनकी मौत हो गई। वन विभाग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

मृतक की पहचान पसुवा चेट्टी के रूप में हुई है। वह एसटीआर के अंतर्गत आने वाले तलावाड़ी के जीराहल्ली वन क्षेत्र में कमैयनपुरम वन क्षेत्र के रहने वाले थे। अधिकारियों के अनुसार, चेट्टी शनिवार रात अपने खेत में लगी हल्दी और सब्जियों की फसल को जंगली जानवरों से बचाने के लिए खेत की रखवाली करने गए थे।

शनिवार देर रात करीब दो बजे एक विशाल हाथी उनके खेत में घुस आया। चेट्टी ने हाथी को डराकर खेत से बाहर भगाने की कोशिश की लेकिन हाथी ने उन पर हमला कर दिया और उन्हें कुचलकर दिया।

किसान की चीख सुनकर उनके परिवार के लोग और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और हाथी को जंगल की ओर खदेड़ दिया। वन विभाग के अधिकारियों की एक टीम ने घटनास्थल का दौरा किया। मामले की जांच जारी है।

नए मंत्रियों के बीच विभागों के आवंटन को लेकर कांग्रेस आलाकमान के साथ चर्चा कर सकते हैं शिवकुमार

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार रविवार देर शाम नयी दिल्ली पहुंचेंगे। इस दौरान अटकलें हैं कि वह नए मंत्रियों के बीच विभागों के बंटवारे को लेकर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के साथ चर्चा कर सकते हैं। मीडिया के साथ साझा किए गए मुख्यमंत्री के यात्रा कार्यक्रम के अनुसार, शिवकुमार राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने के बाद कर्नाटक भवन में उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ वकीलों के साथ एक बैठक में शामिल होंगे। उनके बेंगलूरु लौटने का कार्यक्रम अभी तय नहीं है।

पार्टी में इस बात को लेकर काफी चर्चा है कि शिवकुमार दिल्ली यात्रा के दौरान 19 नए मंत्रियों के बीच विभागों के आवंटन को लेकर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के साथ चर्चा कर सकते हैं। इन नेताओं को तीन अगस्त को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया था। मंत्रिमंडल में जगह पाने की इच्छा रखने वाले विधायकों की नाराजगी पर भी चर्चा होने की संभावना है। पिछले तीन-चार दिन में शिवकुमार, कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष बी. के. हरिप्रसाद, कांग्रेस के कर्नाटक मामलों के लिये प्रभारी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला और कुछ मंत्रियों ने मंत्रिमंडल में जगह नहीं पाने वाले विधायकों से संपर्क किया है, ताकि उनकी नाराजगी दूर की जा सके। रविवार को शिवकुमार ने वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री दिनेश गुंडूराव से मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार, ऐसी खबरें हैं कि शिवकुमार छोटे स्तर पर मंत्रिमंडल में बदलाव पर विचार कर सकते हैं।

प्रस्तावित बिड़दी परियोजना से जुड़े तथ्य जनता के सामने लाएंगे : शिवकुमार

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार बिड़दी के नजदीक प्रस्तावित ग्रेटर बेंगलूरु इंटीग्रेटेड टाउनशिप' (जीबीआईटी) परियोजना से जुड़े तथ्यों को सामने लाएगी और कोई भी सच्चाई को छिपा नहीं सकता। उन्होंने कहा कि विपक्ष को विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है और 13 अगस्त से विधानमंडल के शुरू हो रहे मॉनसून सत्र के दौरान सरकार इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। जनता दल (सेक्युलर) ने जीबीआईटी परियोजना के लिए किसानों की जमीन अधिग्रहण के खिलाफ अपनी सहयोगी भाजपा के साथ मिलकर 'तीन दिवसीय पदयात्रा' निकाल रही है। मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी इस यात्रा पर की। मुख्यमंत्री ने कहा, लोकतंत्र में हर किसी को विरोध करने और पदयात्रा निकालने का अधिकार है।

जदएस और भाजपा का जीबीआईटी परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण के विरोध में संयुक्त मार्च

बेंगलूरु। जनता दल सेक्युलर (जदएस) ने अपनी गठबंधन सहयोगी भाजपा के समर्थन से रविवार को बिड़दी के पास प्रस्तावित जीबीआईटी परियोजना के लिए किसानों की जमीन के अधिग्रहण के विरोध में अपनी तीन-दिवसीय पदयात्रा शुरू की। पार्टी सूत्रों के अनुसार, यह पदयात्रा बेंगलुरु के पास बिड़दी के बायरामंगला से शुरू होकर बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क तक जाएगी। इसका नेतृत्व जनता दल एस युवा इकाई के अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी कर रहे हैं। इसमें दोनों दलों के नेता, कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए हैं। करीब 38 किलोमीटर लंबी इस यात्रा का समापन बेंगलुरु में होगा।

जदएस नेता और केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक और अन्य नेताओं के साथ बायरामंगला में पदयात्रा को हरी झंडी दिखाई। प्रदर्शनकारियों ने नम्मा भूमि, नम्मा हक्कू (हमारी जमीन, हमारा अधिकार) जैसे नारे लगाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार 'रियल एस्टेट' हितों को बढ़ावा दे रही है, 'कमीशन' हासिल करने की कोशिश कर रही है और किसानों को झूठे मामलों में फंसाकर उनकी आवाज दबाना चाहती है। इससे पहले भाजपा और जदएस ने बिड़दी से बेंगलुरु तक प्रस्तावित परियोजना के खिलाफ अलग-अलग विरोध मार्च निकालने की घोषणा की थी। हालांकि, हाल में दोनों गठबंधन सहयोगी दलों के नेताओं की बैठक हुई, जिसमें विधानमंडल के अंदर और बाहर भूमि अधिग्रहण के मुद्दे पर संयुक्त विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया गया। कर्नाटक विधानसभा का मानसून सत्र 13 अगस्त से शुरू होगा। राज्य सरकार ने 'ग्रेटर बेंगलूरु इंटीग्रेटेड टाउनशिप' (जीबीआईटी) परियोजना को लेकर अलग-अलग राय और सुझावों की समीक्षा के लिए उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति गुहानाथन नरेंदर की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है। समिति को 30 दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। भाजपा और जदएस नेताओं ने सत्तारूढ़ कांग्रेस की उन पूरे पन्ने के समाचार पत्रों में दिए गए विज्ञापनों को लेकर आलोचना की, जिनमें इसे प्रायश्चित यात्रा बताया गया था। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए अशोक ने इसे भ्रष्ट सरकार के लिए अंतिम चेतावनी करार दिया। उन्होंने कहा कि जो सरकारें किसानों के खिलाफ काम करती हैं, वे कभी लंबे समय तक सत्ता में नहीं रह पातीं। उन्होंने सरकार और मुख्यमंत्री को चेतावनी दी कि अगर वे अपनी बात पर अड़े रहे, तो उन्हें इसके नतीजे भुगतने होंगे।

मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में मलेशियाई नागरिक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई सीमा शुल्क की हवाई खुफिया इकाई (एआईयू) ने सात अगस्त को चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर चार किलोग्राम से अधिक हाइड्रोपोनिक गांजा तस्करी करने के प्रयास के आरोप में मलेशिया के एक नागरिक को पकड़ा है।

यात्री की प्रोफाइलिंग के आधार पर कार्रवाई करते हुए सीमा शुल्क अधिकारियों ने उसे उस समय रोका, जब वह अनिवार्य घोषणा किए बिना ग्रीन चैनल से बाहर निकलने का प्रयास कर रहा था। वह बैंकॉक से उड़ान के जरिए चेन्नई पहुंचा था। इसके बाद यात्री के चेक-इन बैग की एक्स-रे जांच में संदिग्ध वस्तुएं दिखाई दीं, जिसके बाद अधिकारियों ने सामान की विस्तृत तलाशी ली।

सीमा शुल्क के संयुक्त आयुक्त के एम गुरु राजेश द्वारा शनिवार देर रात जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, तलाशी के दौरान अधिकारियों ने चार पैकेट बरामद किए। इनमें हरे रंग का गांठदार पदार्थ था, जिसमें से तेज गंध आ रही थी। प्रतिबंधित पदार्थ को चेक-इन बैग के अंदर बनाए गए गुप्त खांचों में छिपाकर रखा गया था।

जांच में पदार्थ हाइड्रोपोनिक गांजा (कैनाबिस) पाया गया, जिसका कुल वजन 4,033 ग्राम था। सीमा शुल्क अधिकारियों ने स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस), 1985 की धारा 43(ए) के तहत मादक पदार्थ जब्त कर लिया।

यात्री को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले की विस्तृत जांच जारी है और इससे जुड़े बड़े नेटवर्क का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

मादक पदार्थ जब्त करने के बाद संयुक्त आयुक्त राजेश ने लोगों, खासकर युवाओं को आगाह किया कि वे ऐसे प्रस्तावों से सावधान रहें, जिनमें विदेश यात्रा का खर्च उठाने और वापसी में अनजान सामान ले जाने के बदले आसानी से पैसे देने का लालच दिया जाता है।

तिरंगे के सम्मान की रक्षा करना हमारा दायित्व : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को अल्बर्ट हॉल से 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत राज्य स्तरीय तिरंगा रैली का शुभारंभ किया। अल्बर्ट हॉल से बड़ी चौपड़ तक रिमझिम वर्षा के मध्य निकली इस रैली में केन्द्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री हाथ में तिरंगा थामे शामिल हुए। यात्रा के दौरान शहरवासियों ने कई स्थानों पर पुष्पवर्षा कर रैली का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने तिरंगा रैली को संबोधित करते हुए कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की आन, बान, शान और करोड़ों देशवासियों की भावनाओं का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर वर्ष 2022 में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत देशवासियों ने अपने घरों पर तिरंगा फहराकर विविधता में एकता और राष्ट्रीय अखंडता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि तिरंगा हर भारतीय के दिल में बसना चाहिए और इसके सम्मान एवं गौरव की रक्षा करना हम सभी का दायित्व है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अमर जवान ज्योति पहुंचकर शहीदों को नमन किया। उन्होंने पुष्पचक्र अर्पित कर मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान को और मजबूत करने की दिशा में 'प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर्स अमेंडमेंट एक्ट, 2026' महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, राष्ट्रीय ध्वज और संविधान भारत की शान हैं तथा इनके अपमान को स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने

देशवासियों से वीर सपूतों की कुर्बानियों से प्राप्त आजादी और तिरंगे की गरिमा को सदैव बनाए रखने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि तिरंगा हमारे स्वाभिमान, राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अमृत महोत्सव के तहत प्रारंभ की गई तिरंगा यात्रा जन-जन के अभियान के रूप में नई पीढ़ी में राष्ट्र भावना को सशक्त करने का माध्यम बन रही है। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान ने पूरे देश को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया है। हर घर लहराता हुआ तिरंगा राष्ट्र के प्रति हमारे प्रेम और समर्पण की अभिव्यक्ति है। लेकिन यह सम्मान हमारे घरों के साथ ही हमारे दिलों में भी होना चाहिए। इसकी सार्थकता इसी में है कि हम राष्ट्रीय चेतना के आदर्श और मूल्य को अपने जीवन में भी उतारें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष देश 15 अगस्त को स्वतंत्रता की 80वीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है। यह दिवस देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करने का अवसर है। उनके त्याग और तपस्या के फलस्वरूप ही आज हमारे हाथ में यह तिरंगा है। उन्होंने कहा कि तिरंगा संविधान के आदर्श, एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि तिरंगे का राजस्थान से गहरा नाता रहा है। पहली बार 15 अगस्त को फहराया गया तिरंगा राजस्थान में बना था। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन के क्षणों का स्मरण करते हुए कहा कि उस समय विद्यार्थियों की टोली हाथों में तिरंगा थामे 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा' गीत के उद्घोष के साथ गलियों से गुजरती थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने गरीब कल्याण की योजनाओं से लेकर आतंकवाद और नक्सलवाद के खात्मे एवं दुनिया में भारत के बढ़ते गौरव तक अभूतपूर्व बदलाव देखा है। आज का नया भारत दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने का काम करता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पिछले ढाई वर्षों से सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र के साथ कार्य कर रही है। राज्य सरकार का संकल्प है कि अंतिम पंक्ति के व्यक्ति का उत्थान हो। सांसद मदन राठौड़ ने तिरंगा यात्रा में शामिल होने पर सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डॉ. प्रेमचंद बैरवा, सांसद डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित रहे।

जल बचाने और संरक्षण के लिए हो प्रभावी प्रयास : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने जल संचयन की विकसित हुई अतीत की परम्पराओं से सीख लेते हुए जल बचाने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाने का आह्वान किया है। उन्होंने विश्व आदिवासी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि जल, जंगल और जमीन के संरक्षण का कार्य धरती पर किसी ने किया है तो वह आदिवासी समुदाय है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण हमारे यहां की ज्ञान परम्परा से जुड़ा विषय रहा है। प्राचीन काल में चौथी शताब्दी की पुस्तक कृषि पाराशर और महाराणा प्रताप के दरवारी लेखक पंडित चक्रधर मिश्र की विश्वल्लभ की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इनमें वर्षाजल संग्रहण के लिये खेतों में छोटे बाँध बनाने की ही नहीं कुएं, बावड़ियां, तालाब आदि बनाने की वैज्ञानिक विद्या दी गई है।

बागड़े रविवार को आदिवासी दिवस पर आयोजित समारोह में ग्रामीण विकास एवं शोध परिषद द्वारा आयोजित जल संचयन संकल्प कार्यक्रम में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने जल संचयन की शपथ भी दिलाई। उन्होंने पूर्व मंत्री प्रो. सांवर लाल जाट के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि भी दी। धरती आबा बिरसा मुंडा को स्मरण करते हुए उन्होंने जल संचयन के लिए वातावरण निर्माण पर विशेष रूप से जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान में जहाँ जल है, वहीं ईश्वर का वास है, की सोच से जल बचाने की परम्पराएँ विकसित हुई। उन्होंने पश्चिमी राजस्थान में जल की एक एक बूंद से जुड़ी कहावत 'घी ढुल्याँ म्हारो की नीं जासी। पानी ढुल्याँ म्हारो जी बले।।' की चर्चा करते हुए कहा कि पानी को यहां घी से अधिक महत्व दिया गया है। उन्होंने राजस्थान सरकार द्वारा जल संकट से निपटने और राज्य को जल आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रारम्भ अभियान और नीतियों को भविष्य के लिए बहुत कारगर बताया। उन्होंने कहा कि जल स्रोतों को अतिक्रमण मुक्त बनाने, तालाबों, नदियों और बावड़ियों की सफाई तथा पुनर्जीवन करने के लिए वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान,हर घर जल योजनाओं का उद्देश्य यही है कि पीने का पानी सब तक पहुंचे पर जल की बचत नहीं होगी तो कल के लिए हम जल रख नहीं पाएंगे।

राज्यपाल ने चेताया कि भारत में पानी की कमी इतनी गंभीर है कि देश की लगभग 60 करोड़ आबादी गंभीर जल संकट का सामना कर रही है। दुनिया की 17 प्रतिशत आबादी का भरण-पोषण करने वाले भारत के पास वैश्विक ताजे पानी का केवल 4 प्रतिशत हिस्सा ही उपलब्ध है, जिससे जल संकट की विकट स्थिति पैदा हो सकती है। उन्होंने वैश्विक स्तर पर निकाले जाने वाले कुल भूजल का लगभग 25% हिस्सा अकेले भारत का होने पर भी चिंता जताई। उन्होंने बारिश के दौड़ते पानी को रोकने के लिए अधिक से अधिक प्रयास करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पानी की बचत ही उसका उत्पादन है।

एटीएस ने आतंकी कनेक्शन के आरोप में टोंक के एक युवक को हिरासत में लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोंक/नई दिल्ली। राजस्थान एंटी-टेररिज्म स्क्वाड (एटीएस) ने टोंक के रहने वाले वासित नाम के एक युवक को हिरासत में लिया है। उस पर एक आतंकवादी संगठन से जुड़े होने का शक है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब सुरक्षा एजेंसियां ड्रङ्कराज्य में सक्रिय संभावित आतंकी नेटवर्क की जांच-पड़ताल कर रही हैं। सूत्रों के मुताबिक वासित को पूछताछ के लिए जयपुर ले जाया गया और आगे की पूछताछ के लिए दिल्ली लाया जा सकता है। जांचकर्ता यह भी पता लगा रहे हैं कि क्या वह पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े किसी हैंडलर के संपर्क में था। एटीएस की टीमों ने जांच के तहत टोंक में वासित के घर पर भी तलाशी ली। सूत्रों के अनुसार, तलाशी के दौरान अधिकारियों ने डिजिटल डिवाइस और बैंक खातों व वित्तीय लेन-देन से जुड़ी जानकारी जब्त की।

तलाशी में मिली चीजों की जांच की जाएगी, क्योंकि जांचकर्ता संदिग्ध संबंधों की प्रकृति और दायरे का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारियों के प्रतिबंधित आतंकी संगठन से जुड़े लोगों या नेटवर्क के साथ किसी भी संभावित संबंध का पता लगाने के लिए डिजिटल बातचीत और वित्तीय रिकॉर्ड की भी जांच करने की उम्मीद है। वासित को हिरासत में लेने या उस पर लगे खास आरोपों के बारे में राजस्थान एटीएस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जांच चल रही है और संगठन के साथ उसके संबंधों की असल प्रकृति का अभी पता लगाया जाना बाकी है। इससे पहले जून में राजस्थान एटीएस ने मिलिट्री इंटेलिजेंस से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद से =संबंधों के आरोप में जयपुर की रहने वाली बबीता धाकड़ को गिरफ्तार किया था।

पुराने भवन से मिले सोने-चांदी को मालिक को न सौंपने का आरोप, पांच लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर में एक पुरानी इमारत को ढहाने के दौरान मिले कीमती सामान को खुर्द-बुर्द करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि इस कीमती सामान में चांदी की सिल्लियां व स्वर्ण कलश शामिल हैं।

मानक चौक थाने की पुलिस और जिला विशेष टीम (डीएसटी) ने आरोपियों से कुल 66.400 किलोग्राम वजन की चांदी की दो बड़ी सिल्लियां बरामद भी की हैं। पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि 15 जुलाई को मानक चौक पुलिस थाने में एक शिकायत दर्ज की गई थी। शिकायत में कहा गया था कि विद्याधर का रास्ता त्रिपोलिया बाजार में एक पुरानी इमारत को गिराने के दौरान मिली कीमती चीजें मालिक को नहीं सौंपी गईं और ठेकेदार महेश मल्होत्रा व उनके साथियों ने कथित तौर पर खुर्द-बुर्द कर दिया।

शिकायत के अनुसार इमारत गिराने के दौरान मिली कीमती चीज़ों में 40-45 किलोग्राम वजनी चांदी की 10-15 चांदी की सिल्लियां, सोने के सिक्कों से भरे हुए 14-15 स्वर्ण कलश, चांदी के 8000-10000 पुराने सिक्के एवं अन्य बहुमूल्य संपत्ति शामिल है। पुलिस ने कहा कि यह मामला चुनौतीपूर्ण था क्योंकि कथित घटना लगभग 10 महीने पहले हुई थी। तब तक इमारत को गिराकर नया ढांचा खड़ा किया जा चुका था और देरी तथा सीसीटीवी फुटेज न होने के कारण तुरंत सबूत जुटाना मुश्किल हो गया था।

उन्होंने बताया कि आरोपों की पुष्टि करने और आरोपियों का पता लगाने के लिए एक विशेष टीम बनाई गई थी। जांच के दौरान टीम ने तकनीकी इंटेलिजेंस और मुखबिरों से मिली जानकारी का इस्तेमाल किया।

पुलिस ने कथित घटना के बाद आरोपियों के मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड और जयपुर तथा आसपास के इलाकों में उनकी गतिविधियों की भी जांच की।

पुलिस ने बताया कि टीम ने आरोपियों पर नजर रखी और उनकी जीवनशैली तथा वित्तीय गतिविधियों में आए बदलावों की भी जांच की। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान मिली जानकारी की पुष्टि करने के बाद पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान महेश मल्होत्रा (ठेकेदार), जगदीश राजोरिया, ओमप्रकाश खिंची, अनुज अरोड़ा और रजनी मल्होत्रा के तौर पर हुई है।

हर घर तिरंगा अभियान से प्रत्येक भारतीय में राष्ट्रीय एकता और देश प्रेम की भावना हो रही प्रगाढ़ : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान को केवल तिरंगा फहराने तक सीमित न रखते हुए इसे व्यापक जन-जागरूकता अभियान का स्वरूप दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक इस अभियान से जुड़कर राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान एवं देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने में अपनी भूमिका निभाए। पटेल ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान से प्रत्येक भारतीय में राष्ट्रीय एकता और देश प्रेम की भावना अधिक प्रगाढ़ हो रही हैं। उन्होंने युवाओं एवं आमजन से अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि सामूहिक भागीदारी से अभियान को जन-जन तक पहुंचाया जा सकता है।

विधि मंत्री ने कहा कि आज हम जिस आजाद भारत में सांस ले रहे हैं और हमें जो संवैधानिक अधिकार व स्वतंत्रताएं मिली हैं, वह अनगिनत राष्ट्रभक्तों और कई पीढ़ियों के त्याग व बलिदान का परिणाम है। उन्होंने कहा यह दिन उन सभी वीर सपूतों को नमन करने और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लेने का है। जोधपुर में रविवार को जिला स्तरीय 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आयोजित प्रभात फेरी के अवसर पर विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कार्मिकों एवं प्रतिभागियों को राष्ट्रध्वज के सम्मान एवं देश की एकता-अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता की शपथ दिलाई। इसके पश्चात उन्होंने हरी झंडी दिखाकर प्रभात फेरी को जिला कलक्टर कार्यालय से रवाना किया।

प्रभात फेरी में सरकारी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, स्काउट के विद्यार्थियों, पुलिस कार्मिकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं, जिला परिषद तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। प्रतिभागी हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के भाव से ओतप्रोत प्रभात फेरी में शामिल हुए।

प्रभात फेरी के माध्यम से आमजन को 'हर घर तिरंगा' अभियान से जुड़ने तथा राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया। जिला कलक्टर आलोक रंजन ने भी जिलेवासियों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाने तथा अपने घरों, वाहनों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराकर अभियान को सफल बनाने की अपील की।

जयपुर में मूसलाधार बारिश : गलताजी की सीढ़ियों पर बहा पानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजधानी जयपुर और इसके आसपास के ग्रामीण इलाकों में रविवार अलसुबह से ही मूसलाधार बारिश का दौर शुरू हो गया। शहर के सिरसी रोड, वैशाली नगर, सांगानेर, गोपालपुरा, कालवाड़ और चारदीवारी क्षेत्र (रामगंज, घाटगेट, ब्रह्मपुरी, आमेर) में व्यापक जलभराव देखने को मिला। लगातार हो रही बारिश से तापमान में गिरावट आई है और लोगों को पिछले कुछ दिनों से जारी उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत मिली है। f

नवारू रोड पर धरना और नाव: झोटवाड़ा के निवारू रोड पर भारी जलभराव से परेशान होकर स्थानीय लोग सड़क पर भरे पानी में ही धरने पर बैठ गए। उन्होंने प्रशासन के खिलाफ विरोध जताते हुए सांकेतिक रूप से पानी में नाव भी चलाई। मडपंप से निकाला गया पानी: ड्रेनेज एंट्री पॉइंट्स पर कचरा फंसने के कारण सड़कों पर जलभराव हो गया। न्यू गेट और चारदीवारी के प्रमुख रास्तों पर प्रशासन को पानी निकासी के लिए मडपंप लगाने पड़े।

प्रसिद्ध गलता जी मंदिर परिसर की सीढ़ियों से बारिश का पानी झरने की तरह बहने लगा, वहीं नाहरगढ़ और आमेर की पहाड़ियों पर छोटे-छोटे झरने शुरू हो गए। जयपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में रात से ही रुक-रुककर बारिश जारी रही। बस्सी उपखंड के तूंगा इलाके में सर्वाधिक 19 मिमी बारिश दर्ज की गई। कैचमेंट एरिया में लगातार पानी की आवक होने से आगरा रोड स्थित प्रसिद्ध कानोता बांध लबालब होकर ओवरफ्लो हो गया और उस पर चादर चलने लगी।

बारिश और ठंडी हवाओं के चलते दिन का अधिकतम तापमान 31.3ओउ तथा न्यूनतम तापमान 26.7ओउ दर्ज किया गया। सामान्य से 25% कम बारिश: मौसम विभाग के अनुसार, जयपुर में 1 जून से 8 अगस्त तक सामान्यतः 322.3 मिमी बारिश होती है, जबकि इस मानसून सीजन में अब तक कुल 243.2 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य से लगभग 25 प्रतिशत कम है।

नड्डा और भजनलाल शर्मा ने दी सौगात,10 नवीन अत्याधुनिक रक्त संग्रहण वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

जयपुर। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को 10 नवीन अत्याधुनिक रक्त संग्रहण एवं परिवहन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह, सांसद मदन राठौड़ सहित मंत्रिपरिषद के सदस्य, सांसद, विधायक और संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

प्रदेश में स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से कुल 4 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत के इन वाहनों को राज्य के 10 राजकीय ब्लड बैंकों को आवंटित किया गया है।

कांवड़ मार्ग पर बिरयानी की दुकान पर चला बुलडोजर, दो दुकानदार हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बरेली (उप्र)/भाषा। कांवड़ यात्रा के दौरान निर्धारित मार्गों पर मांसाहार की बिक्री रोकने की कड़ी में बहेड़ी में मुख्य कांवड़ मार्ग पर चिकन बिरयानी बेचते पाए जाने पर पुलिस ने दो दुकानदारों को हिरासत में लेकर बुलडोजर (जेसीबी) से दुकान का टिनशेड और काउंटर गिरा दिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार मामला पुराने रोडवेज के पास का है।

लोधीपुर निवासी सलमान यहां मुर्गे की बिरयानी बेचता था। सावन और कांवड़ यात्रा को देखते हुए प्रशासन ने मुख्य कांवड़ मार्गों पर मांसाहार की बिक्री पर पहले ही रोक के निर्देश जारी किए थे। शनिवार शाम करीब पांच बजे दुकान पर बिरयानी बिकने की सूचना विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी शानू गंगवार ने पुलिस को दी। सूचना पर बहेड़ी के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अरुण कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस के मुताबिक चेतावनी के बावजूद दुकान चलती मिलने पर पुलिस ने सलमान और रहीस को हिरासत में ले लिया। इसके बाद जेसीबी से दुकान का टिनशेड-काउंटर गिरा दिया गया। सीओ अरुण कुमार सिंह ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान तय निर्देशों का उल्लंघन कर मीट, चिकन, मछली या अन्य मांसाहारी खाद्य पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ने पर एफआईआर भी दर्ज होगी। इसी दौरान बेकरी वाली 'चीफ साहब' की गली में भी चिकन शॉप पर छापेमारी की गई। यहां फ्राई चिकन और चिकन बिरयानी बेची जा रही थी। बजरंग दल की शिकायत पर पुलिस दुकान बंद कराकर दो लोगों को थाने ले आयी। पुलिस का कहना है कि बरेली से बहेड़ी और अन्य प्रमुख कांवड़ मार्गों पर पुलिस-प्रशासन की निगरानी बढ़ा दी गई है और टीमें जांच कर रही हैं।

भारत के खिलाफ षड्यंत्र के लिए सोशल मीडिया तीसरा माध्यम बना : मुख्यमंत्री योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि सोशल मीडिया भारत के खिलाफ षड्यंत्रों का तीसरा माध्यम बन गया है और भारत विरोधी ताकतें इस मंच का इस्तेमाल अफवाहें फैलाने तथा समाज को गुमराह करने के लिए कर रही हैं।

आदित्यनाथ ने ऐतिहासिक 'काकोरी ट्रेन एक्शन' के 101 साल पूरे होने पर आयोजित 'काकोरी ट्रेन कांड शताब्दी वर्ष' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा, भारत बिना किसी कारण के गुलाम नहीं बना। गुलामी के कारण हमारे भीतर का विभाजन और हमारे खिलाफ रचे गए षड्यंत्र थे। आज भी कुछ ताकतें जाति, धर्म और भाषा के नाम पर भारत को कमजोर कर रही हैं। उन्होंने कहा, इन षड्यंत्रों का अब तीसरा माध्यम सोशल मीडिया मंच है। सभी भारत विरोधी ताकतें भारत के खिलाफ अफवाह फैलाने, इसका दुरुपयोग करने और समाज को गुमराह करने के लिए इस मंच का इस्तेमाल कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने युवा पीढ़ी को देश के क्रांतिकारियों से दूर रखा, उन्होंने उनके साथ बहुत बड़ा अन्याय किया। आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि स्वतंत्रता के बाद राम प्रसाद बिस्मिल, रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खान, चंद्रशेखर आजाद, वीर सावरकर, भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव जैसे क्रांतिकारियों को जानबूझकर लोगों की स्मृति से दूर रखा गया। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार षड्यंत्र किए गए कि इन क्रांतिकारियों के नाम वर्तमान पीढ़ी तक न पहुंचें। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1922 में गोरखपुर में चौरी चौरा की घटना के बाद कांग्रेस ने आंदोलन स्थगित कर दिया था और खुद को इस प्रकरण से अलग कर लिया था। उन्होंने कहा कि पंडित मदन मोहन मालवीय ने इन क्रांतिकारियों की ओर से मुकदमा लड़ा था। आदित्यनाथ ने कहा, कई क्रांतिकारियों को आजीवन कारावास की सजा हुई और दुर्भाग्य से लखनऊ में कांग्रेस के दो नेता एवं वकीलों ने अदालत में इन क्रांतिकारियों के खिलाफ बहस की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम के वास्तविक नायकों को सम्मान देने के लिए 2014 के बाद प्रयास शुरू करने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार को जाता है। उन्होंने कहा कि डॉ. बी. आर. आंबेडकर, वीर सावरकर, राम प्रसाद बिस्मिल, रोशन सिंह और अशफाक उल्ला खान से जुड़े स्मारकों को विकसित किया जा रहा है। योगी ने कहा कि क्रांतिकारियों को उचित सम्मान देने के लिए इस ऐतिहासिक घटना को 'काकोरी डकैती' के बजाय 'काकोरी ट्रेन एक्शन' के रूप में संदर्भित किया गया है।

प्रह्लाद जोशी ने एनटीए को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को शिक्षा सचिव समेत वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में संस्थागत व्यवस्थाओं को मजबूत करने, परीक्षा प्रक्रियाओं को सुचारू बनाने और एजेंसी को छात्रों के प्रति अधिक जवाबदेह बनाने के उपायों पर चर्चा की गई। जोशी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी से जुड़े मामलों पर शिक्षा मंत्रालय के सचिव और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की।'' उन्होंने कहा, ''महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई, जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। साथ ही संस्थागत व्यवस्थाओं को और मजबूत करने, प्रक्रियाओं को सुचारू बनाने और छात्रों के प्रति अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आगे उठाए जाने वाले कदमों पर विचार-विमर्श किया गया।''

मंत्री ने कहा, ''हमारा ध्यान एक मजबूत, पारदर्शी और विश्वसनीय परीक्षा व्यवस्था तैयार करने पर बना हुआ है, जो हर छात्र की आकांक्षाओं को पूरा कर सके।''

धर्मेंद्र प्रधान के पद से इस्तीफा देने के बाद 26 जुलाई को जोशी को शिक्षा मंत्री नियुक्त किया गया था। नीट पेपर लीक विवाद पर देशभर में कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के नेतृत्व में छात्रों के विरोध-प्रदर्शनों के बाद प्रधान ने अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया था।

मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि स्थल पर प्रस्तावित शंखनाद और कारसेवा कार्यक्रम रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में श्रीकृष्ण जन्मभूमि स्थल पर मंदिर निर्माण के लिए रविवार को प्रस्तावित 'शंखनाद' और 'कारसेवा' कार्यक्रम आयोजकों ने रद्द कर दिया। आयोजकों ने कहा कि उनके कई अनुयायी श्रावण माह की कांवड़ यात्रा में शामिल हो रहे हैं। गोवर्धन क्षेत्र के राधाकुंड के पास जुल्हेंदी गांव स्थित श्री चित्रगुप्त पीठ के अध्यक्ष स्वामी डॉ. सच्चिदानंद ने इस कार्यक्रम को रद्द करने की घोषणा की। उन्होंने चार जुलाई को घोषणा की थी कि नौ अगस्त को श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर कारसेवा की जाएगी। स्वामी सच्चिदानंद ने बताया कि उनके कई अनुयायी कांवड़ यात्रा में शामिल हैं, इसलिए कार्यक्रम को स्थगित किया गया है। उन्होंने सनातन परंपरा से जुड़े संतों और अनुयायियों से बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की थी। जुल्हेंदी स्थित चित्रगुप्त पीठ में हवन किया गया। स्वामी सच्चिदानंद ने बताया कि उनकी चार मांगें हैं- पूजा स्थल कानून, 1991 को निरस्त किया जाए, श्रीकृष्ण जन्मस्थान मामले की रोजाना सुनवाई के लिए त्वरित अदालत गठित की जाए, जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण को माखन-मिश्री अर्पित करने की अनुमति दी जाए और शाही ईदगाह मस्जिद के पुरातात्विक सर्वेक्षण पर लगी रोक हटाई जाए। यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो वे छह दिसंबर को कारसेवा करेंगे। इसी तरह राष्ट्रीय हनुमान दल ने भी रविवार को ईदगाह में जलाभिषेक और कारसेवा का आह्वान किया था, जिसे बाद में रद्द कर दिया गया। इस बीच, अखिल भारत हिंदू महासभा की आगरा इकाई की अध्यक्ष मीरा राठौर को पुलिस ने ईदगाह में प्रवेश करने का प्रयास करने पर हिरासत में ले लिया। पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने से पहले उन्होंने शाही ईदगाह जाते समय रास्ते में श्रीकृष्ण की प्रतिमा का जलाभिषेक किया। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) राजीव कुमार सिंह ने कहा कि उच्चतम न्यायालय और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत जिले में किसी नई परंपरा की शुरुआत पर रोक है। आयोजकों ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि स्थल पर मंदिर निर्माण के लिए कारसेवा और शंखनाद' कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रमुख लोगों और संतों से अपील की थी, लेकिन इसके लिए पुलिस से अनुमति नहीं ली गई थी। सिंह ने कहा, ''हम क्षेत्र की ओर जाने वाले सभी लोगों को रोक रहे हैं और उन्हें उनके संबंधित थाना क्षेत्रों में वापस भेज रहे हैं।'' जिन संगठनों और व्यक्तियों से संपर्क किया गया था तथा जिन्हें कार्यक्रम में शामिल होने या सहयोग करने के लिए आमंत्रित किया गया था, उन्हें रेड कार्ड' नोटिस जारी कर कार्यक्रम से दूर रहने की चेतावनी दी गई है।

मुख्यमंत्री योगी ने कांस्य पदक जीतने पर शाहनवाज खान को बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 की पुरुष लंबी कूद स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत को गौरव दिलाने वाले प्रदेश के होनहार खिलाड़ी शाहनवाज खान को हार्दिक बधाई दी।

योगी आदित्यनाथ ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर एक पोस्ट में कहा, ''विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 की पुरुष लंबी कूद स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत को गौरव दिलाने वाले उत्तर प्रदेश के होनहार खिलाड़ी शाहनवाज खान को हार्दिक बधाई।''

पोस्ट में उन्होंने कहा, ''संघर्ष, संकल्प और अथक परिश्रम से अर्जित आपकी यह उपलब्धि प्रदेश और देश के युवाओं के लिए एक प्रेरणा है। उत्तर प्रदेश और समूचे भारत को आप पर गर्व है। आपके उज्ज्वल भविष्य हेतु अनंत मंगलकामनाएं! '' विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 में शाहनवाज खान ने लंबी कूद में कांस्य पदक जीता जिससे भारत के लिए यह दिन यादगार बन गया।

शाहनवाज ने पुरुषों की लंबी कूद में 7.84 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कांस्य पदक जीतकर चैंपियनशिप में भारत के पदकों की संख्या में वृद्धि की।

निर्देशक राजामौली ने फिल्म 'वाराणसी' में महेश बाबू की पहली झलक वाला पोस्टर जारी किया

नई दिल्ली/भाषा। फिल्म 'वाराणसी' के निर्माताओं ने महेश बाबू की पहली झलक वाला पोस्टर जारी किया है, जिसमें वह रुद्र के किरदार में नजर आने वाले हैं। एस एस राजामौली के निर्देशन में बनी इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी नजर आएंगे। यह फिल्म सात अप्रैल, 2027 को रिलीज होगी। फिल्म की कहानी 512 ईस्वी के एक ऐसे समुदाय के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसके पास एक प्राचीन रहस्य है, जो दुनिया को बचा सकता है।

फिल्म की कहानी के अनुसार, 2027 ईस्वी में 'शांभवी' नामक एक क्षुद्रग्रह पृथ्वी से टकराता है, जिससे भीषण तबाही मच जाती है। इसी दौरान लालची वैज्ञानिक कुंभ (पृथ्वीराज) एक प्राचीन वस्तु को हासिल करने की कोशिश में लकवाग्रस्त हो जाता है। 'आरआरआर' के निर्देशक ने रविवार को अपने 'एक्स' हैंडल पर यह पोस्टर साझा किया। इसमें अभिनेता जंगल के बीच बांस की एक बेड़े पर लेटे नजर आ रहे हैं। अगली पोस्ट में वह अफ्रीका की पृष्ठभूमि में दिखाई दिए। पोस्ट के साथ लिखा था, सिर्फ उग्र होना ही उसका एकमात्र रूप नहीं है, वाराणसी में रुद्र। वाराणसी' का संगीत एम एम कीरवाणी ने दिया है, जिन्हें राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' के लिए ऑस्कर मिला था। फिल्म का निर्माण श्री दुर्गा आर्ट्स और शोइंग बिजनेस ने किया है।

हिंदू रक्षा दल ने देवबंद दारुल उलूम में गंगाजल चढ़ाने का किया ऐलान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सहारनपुर/भाषा। हिंदू रक्षा दल ने ऐलान किया है कि उसके सदस्य 11 अगस्त को सहारनपुर जिले के देवबंद स्थित दारुल उलूम परिसर में गंगाजल चढ़ाने जाएंगे।

संगठन का दावा है कि इस्लामिक शिक्षण संस्थान के परिसर के नीचे शिवलिंग मौजूद है। हिंदू रक्षा दल की उत्तराखंड इकाई के प्रदेश अध्यक्ष ललित शर्मा ने शनिवार को जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंकी चौधरी के नेतृत्व में पदाधिकारी हरिद्वार से गंगाजल लेकर देवबंद जाएंगे। शर्मा ने दावा किया कि संगठन ने पहले दारुल उलूम परिसर में शिव मंदिर होने के अपने दावों की जांच कराने के लिए सहारनपुर प्रशासन से संपर्क किया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि इसके बाद संगठन ने खुद दारुल उलूम जाकर गंगाजल चढ़ाने का फैसला किया है।

देवबंद के क्षेत्राधिकारी अमित कुमार सिंह ने कहा कि किसी को भी कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''किसी को भी कानून-व्यवस्था बाधित करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। माहौल खराब करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।''

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री और मोदी में मुलाकात से द्विपक्षीय समस्याओं का समाधान हो सकता है : राजदूत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/भाषा। बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने रविवार को कहा कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान और उनके भारतीय समकक्ष नरेन्द्र मोदी की मुलाकात से दोनों देशों के बीच संबंधों में आई तल्खी को दूर करने में मदद मिल सकती है।

ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किए गए रहमान कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। इन अटकलों के बीच त्रिवेदी की यह टिप्पणी आई है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा पांच अगस्त को नई दिल्ली से डिजिटल माध्यम से संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किए जाने के बाद भारत और बांग्लादेश के संबंधों में तनाव बढ़ गया।

हसीना ने कहा था कि वह लोकतंत्र बहाल करके देश को ''सही रास्ते'' पर लाने के लिए दिसंबर में स्वदेश लौटने के लिए दृढ़ हैं, भले ही उन्हें जेल या मृत्युदंड का सामना करने का खतरा क्यों न हो। बांग्लादेश ने इस संवाददाता सम्मेलन पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा था कि इस कार्यक्रम से देश के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं और इससे भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के प्रयासों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। हालांकि, भारत के विदेश मंत्रालय ने सात अगस्त को स्पष्ट किया था कि हसीना से संबंधित सम्मेलन में उसकी कोई भूमिका नहीं थी और वह इस मंच पर बांग्लादेश सरकार के बारे में कही गई किसी भी बात का समर्थन नहीं करता।

रामगढ़ में इस्पात संयंत्र में विस्फोट होने से नौ लोग झुलसे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामगढ़/भाषा। झारखंड के रामगढ़ ज़िले में रविवार को एक निजी इस्पात संयंत्र की भट्ठी में विस्फोट होने से कम से कम नौ श्रमिक झुलस गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना रविवार दोपहर कुजू क्षेत्र के मुरपा गांव में हुई। मुख्य फैक्टरी निरीक्षक मनीष सिन्हा ने बताया कि गंभीर रूप से घायल दो मजदूरों को रांची के एक निजी अस्पताल में रेफर किया गया है। उन्होंने कहा, ''संयंत्र की भट्ठी में धमाका होने के बाद गर्म धातु के छींटे पड़ने से कुछ कर्मचारी झुलस गए। हजारीबाग के फैक्टरी निरीक्षक को इस मामले की जांच करने और जल्द से जल्द विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है।''

तृणमूल कार्यकर्ता के परिजनों से मिलने पहुंचीं ममता बनर्जी का विरोध, 'चोर-चोर' के नारे लगाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को रविवार को उत्तर 24 परगना जिले में तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता के परिजनों से मिलने जाते समय भारी विरोध का सामना करना पड़ा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने उनके खिलाफ चोर-चोर' के नारे लगाए और कथित तौर पर उनकी कार पर कीचड़ फेंका। यह घटना बीजपुर में हुई, जहां बनर्जी पुलिस हिरासत में मारे गए कार्यकर्ता के परिजनों से मिलने जा रही थीं। इसी दौरान प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने उनके वाहन को घेर लिया।

बनर्जी ने पत्रकारों से कहा, मेरी कार पर पत्थर, जूते और कीचड़ फेंके गए। यह साजिश के अलावा कुछ नहीं है। मैंने पुलिस को पहले ही बता दिया था कि मैं आ रही हूं, इसके बावजूद सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए गए। पूरा पश्चिम बंगाल गुंडों का राज है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बनर्जी शांत इलाके में अशांति पैदा करने आई थीं। इस दौरान उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गई। हालिशहर में तृणमूल कार्यकर्ता की पुलिस की हिरासत में कथित तौर पर बीमार पड़ने के बाद मौत हो गई थी।

विस्थापित कश्मीरी पंडितों का 'राजनीतिक अनाथपन'

दशकों की उपेक्षा और अधूरे वादों की दास्तान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जगती (जम्मू)/भाषा। जम्मू कश्मीर में जगती टाउनशिप और आसपास के शिविरों में रह रहे सैकड़ों विस्थापित कश्मीर पंडितों ने खुद को राजनीतिक रूप से ''अनाथ'' और ''नए अछूत'' बताते हुए राजनीतिक दलों पर आरोप लगाया है कि उनकी दुर्दशा का इस्तेमाल केवल चुनावी घोषणापत्रों के लिए ही किया जाता है।

इसके साथ ही विस्थापित कश्मीरी पंडितों ने उनके लिए आवश्यक कदम उठाये जाने की मांग की ताकि वे संविधान में निहित गरिमापूर्ण जीवन यापन कर सकें। जगती शिविर में रहने वाले अधिवक्ता विश्व रंजन पंडित ने कहा, हमारा इस्तेमाल सभी ने किया लेकिन हमारा प्रतिनिधित्व किसी ने नहीं किया, यही सबसे बड़ी विडंबना है। उन्होंने कहा, ''सबसे कठिन निर्वासन वह होता है, जो अपने ही देश द्वारा थोपा जाता है।'' वर्ष 1990 के दशक में आतंकवाद फैलने के बाद कश्मीर छोड़कर आए विस्थापित समुदाय के लिए बने शिविरों में रहने वाले लोगों ने आरोप लगाया कि राजनीतिक विमर्श से उन्हें हाशिये पर धकेल दिए जाने के कारण उनकी पूरी तरह उपेक्षा हो रही है। इनमें से कई लोगों ने अपनी परेशानियों को समाप्त करने के लिए ''कड़े कदम उठाने'' तक की चेतावनी दी है। शिविरों में रह रहे विस्थापितों की समस्याओं को लगातार उठाने वाले संगठन पनुन कश्मीर के अध्यक्ष टिटो गंजू ने विस्थापित समुदाय की मुख्य शिकायत को रेखांकित करते हुए कहा कि राजनीतिक दलों को उनकी याद केवल चुनाव के समय ही आती है। गंजू ने कहा, ''कश्मीरी पंडितों को भले ही राजनीतिक रूप से अनाथ बना दिया गया हो, लेकिन हमारी किस्मत में हमेशा राजनीतिक रूप से अनाथ बने रहना नहीं है। हम कश्मीर की सभ्यतागत स्मृति के मूल वाहक हैं और घाटी में भारतीयता की सबसे प्राचीन एवं स्थायी अभिव्यक्तियों में से एक हैं।'' उनका कहना था कि ''वर्षों से सरकारें भले ही उनकी अनदेखी करती रही हों या इस समुदाय को शामिल किए बिना कश्मीर के बारे में बात करने की कोशिश करती रही हों, लेकिन इतिहास और भू-राजनीति इस भ्रम को लंबे समय तक टिकने नहीं देंगे।'' दशकों से जारी ''प्रशासनिक उपेक्षा'' की निंदा करते समुदाय के सदस्यों में जर्जर होती बुनियादी सुविधाओं और पुनर्वास के अधूरे वादों को लेकर गहरी नाराजगी है।

गंजू का कहना था कि कश्मीरी पंडित कश्मीर की कहानी का छूटा हुआ अध्याय नहीं हैं। हम उसका अधूरा अध्याय हैं और हमारा इरादा इसका अगला अध्याय लिखने का है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस समुदाय को शामिल किए बिना कश्मीर की समस्या का कोई स्थायी समाधान संभव नहीं है। चुनावी आंकड़ों के अनुसार, मतदाता सूचियां दशकों के दौरान कश्मीरी पंडित मतदाताओं के बदलते रुझानों को दर्शाती हैं।

शुभेंदु अधिकारी ने आरजी कर दुष्कर्म-हत्या मामले में नए सिरे से जांच के आदेश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में 2024 में महिला डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या के मामले में नए सिरे से जांच की घोषणा की। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। अधिकारी ने कहा कि सरकार ने यह फैसला मृत चिकित्सक की मां के अनुरोध पर लिया है, जो अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विधायक हैं। उन्होंने कहा, ''रत्ना देबनाथ ने मुझे पत्र लिखकर मामले की नए सिरे से जांच का अनुरोध किया था। मुख्य सचिव और विशेषज्ञों की एक टीम के साथ विस्तृत चर्चा के बाद मैं विशेष आयोग अधिनियम, 1952 के तहत नए सिरे से जांच की घोषणा कर रहा हूं।'' अधिकारी ने आरोप लगाया कि इस मामले में पुलिस अपने कर्तव्य का पालन करने में विफल रही। उन्होंने महिला चिकित्सक के अंतिम संस्कार में कथित लापरवाही की अलग से जांच के भी आदेश दिए और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

सुविचार

ज्ञान बांटने से बढ़ता है। अपना अनुभव दूसरों से साझा करें। सीखने और सिखाने की भावना रखें, समाज आगे बढ़ेगा, देश मजबूत बनेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आईएसआई का डिजिटल मकड़जाल

भारत में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का फैलता मकड़जाल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। जब से सोशल मीडिया का प्रसार हुआ है, हनीट्रैप संबंधी मामले काफी बढ़ गए हैं। अब भारतीय वायुसेना के एक वरिष्ठ अधिकारी पर पाकिस्तानी महिला एजेंट के हनीट्रैप में फंसने के गंभीर आरोप लगे हैं, जिस पर चर्चा होनी चाहिए। इस अधिकारी के पास देश की सुरक्षा से जुड़ी महत्त्वपूर्ण जानकारी थी, लेकिन यह दुश्मन देश के जाल में ऐसा फंसा कि अपने फर्ज से समझौता कर बैठा। जब इतना वरिष्ठ अधिकारी आसानी से विचलित हो सकता है तो आम आदमी कितना सावधान है? सरकारी अधिकारी हो या आम आदमी, सबको आईएसआई के एक डिजिटल पैंतरे के बारे में जानकारी जरूर होनी चाहिए। उसने पाकिस्तान में एक यूनिट बना रखी है, जिसमें कई महिलाओं को नियुक्त किया गया है। उनका मुख्य काम भारतीय नागरिकों को हनीट्रैप में फंसाकर सुरक्षा संबंधी जानकारी हासिल करना है। इन महिला एजेंटों को भारतीय जीवनशैली का प्रशिक्षण देकर मैदान में उतारा जाता है। ये बिंदी, सिंदूर जैसे सौभाग्य-प्रतीक धारण करती हैं। कुछ मामलों में इनके कमरों की दीवारों पर देवी-देवताओं के चित्र भी दिखाए दिए, ताकि शिकार को इनके धोखे का एहसास ही न हो। ये जानकारी लेने में इतनी शातिर होती हैं कि व्यक्ति को आसानी से पता नहीं चलता है। एक व्यक्ति, जो सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण जगह पर तैनात था, के पास किसी अनजान महिला का फोन आया। उससे पूछा गया, 'क्या आप ... जी बोल रहे हैं?' उसने कहा, 'नहीं, मैं तो ... बोल रहा हूं।' महिला अपनी बात पर अड़ी रही, 'मुझे तो बताया गया था कि यह नंबर ... का है!' वह व्यक्ति मना करता रहा कि 'नहीं, यह नंबर मेरा ही है।' इस तरह पाकिस्तानी महिला एजेंट ने बड़ी आसानी से उस व्यक्ति का नाम मालूम कर लिया। दो-तीन दिन बाद फिर उसी महिला ने फोन कर माफी मांगी कि 'उस दिन मुझसे गलती हो गई थी, मुझे ऐसे नहीं बोलना चाहिए था।'

व्यक्ति ने कहा, 'कोई बात नहीं, गलतफहमी की वजह से ऐसा हो जाता है।' धीरे-धीरे बात आगे बढ़ती गई। महिला अपने बारे में जानकारी (जो पूरी तरह गलत थी) देती गई और वह व्यक्ति भी अपने बारे में जानकारी (जो बिल्कुल सही थी) देता गया। महिला खुद को सेना के अस्पताल में कार्यरत अधिकारी बता रही थी। एक दिन उसने कोई फर्जी पर्चा भेजकर कहा, 'हमारे यहां यह काम होता है। आपके यहां क्या होता है?' व्यक्ति ने भी अपने कार्यस्थल से जुड़ीं तस्वीरें भेज दीं। मामला शादी की बात तक पहुंच गया। उस व्यक्ति को पता ही नहीं था कि प्रेम के नाम पर उसका इस्तेमाल किया जा रहा है, वह जानकारी भेजकर देश की सुरक्षा को खतरे में डाल रहा है। एक दिन भारतीय एजेंसियों के अधिकारी उस तक पहुंच गए। तब उसे पता चला कि उसके साथ कितना बड़ा धोखा हुआ है! पाकिस्तान की एक महिला एजेंट के तौर-तरीके सोशल मीडिया पर चर्चा में रहे हैं। वह किसी दफ्तर में फोन कर कड़क आवाज में पूछती है, 'साहब कहां हैं? मैं उनकी पत्नी बोल रही हूं। उनका फोन नहीं लग रहा है। दूसरा नंबर दीजिए।' यह भी कहा जाता है कि जब भारत सरकार अनुच्छेद 370 हटाने की तैयारी कर रही थी और सोशल मीडिया पर कयासों का बाज़ार गर्म था, तब उसने जम्मू-कश्मीर के कई स्कूलों, सरकारी दफ्तरों में फोन कर हालात का पता लगा लिया था। जब 'ऑपरेशन सिंदूर' का आगाज हुआ तो बुरी तरह भयभीत पाकिस्तान ने भारतीय सैनिकों की आवाजाही का पता लगाने के लिए ऐसे कई पैंतरे आजमाए थे। उस समय पाकिस्तान को जानकारी मुहैया कराने के आरोप में बहुत लोग पकड़े गए थे। दुश्मन एजेंसियों ने सोशल मीडिया को जासूसी का अड्डा बना रखा है। इस मंच पर बहुत सोच-समझकर लोगों को जोड़ना चाहिए। अनजान व्यक्ति को निजी जीवन, कार्यस्थल और अपने आस-पास के इलाकों की कोई जानकारी नहीं देनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

जयपुर में अमर जवान ज्योति मेमोरियल पर उन अमर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की गई, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। यह पवित्र ज्योति राजस्थान के वीर सपूतों के अदम्य साहस की अमर गाथा का प्रतीक है।

-जेपी नड्डा

आज वर्ल्ड ट्राइबल डे के मौके पर मैं कोट्या भील पार्क में हुए प्रोग्राम में आदिवासी समुदाय के भाई-बहनों के बीच मौजूद था और उन्हें शुभकामनाएं दीं। आदिवासी समाज ने सदियों से जल और आज़ादी की रक्षा में अमूल्य योगदान दिया है।

-ओम बिरला

जयपुर का ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल 'हर घर तिरंगा' कैंपेन की शुरुआत की जगह थी। आज से 17 अगस्त 2026 तक चलने वाले इस कैंपेन में शामिल होकर, अपने घर, दुकान और ऑफिस में पूरे सम्मान के साथ तिरंगा फहराएं और जश्न के तौर पर मनाएं।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

विश्वास की चाबी

एक दिन शिक्षक ने विद्यार्थियों से पूछा, 'बताओ, सफलता का सबसे बड़ा रहस्य क्या है?' किसी ने कहामेहनत, किसी ने कहाभाग्य, तो किसी ने कहाबुद्धिमानी। तभी शिक्षक ने आइंस्टीन से पूछा, 'आइंस्टीन, तुम्हारा उत्तर क्या है?' आइंस्टीन ने बिना कुछ कहे अपनी जेब से एक पुरानी, जंग लगी चाबी निकाली और मेज पर रख दी। पूरी कक्षा हंसने लगी। आइंस्टीन मुस्कुराए और बोले, 'सर, यह चाबी मुझे रास्ते में मिली थी। इसे देखकर कोई भी कहेगा कि यह बेकार है। लेकिन सच यह है कि यह बेकार नहीं, बस अपने ताले से अभी तक नहीं मिली है।' कक्षा एकदम शांत हो गई। आइंस्टीन ने आगे कहा, 'बहुत से लोग कुछ असफलताओं के बाद खुद को भी ऐसी ही बेकार चाबी समझ लेते हैं। वे भूल जाते हैं कि उनकी योग्यता खत्म नहीं हुई है, बस उन्हें अभी अपना सही अवसर नहीं मिला है। जिस दिन सही ताला मिलेगा, यही चाबी बंद दरवाजा खोल देगी।' शिक्षक ने मुस्कुराते हुए कहा, 'तो सफलता का रहस्य अपनी क्षमता को पहचानना है?' आइंस्टीन ने उत्तर दिया, 'नहीं सर, अपनी क्षमता पर तब भी विश्वास बनाए रखना, जब दुनिया उसे पहचान न रही हो।'

पुण्यतिथि विशेष

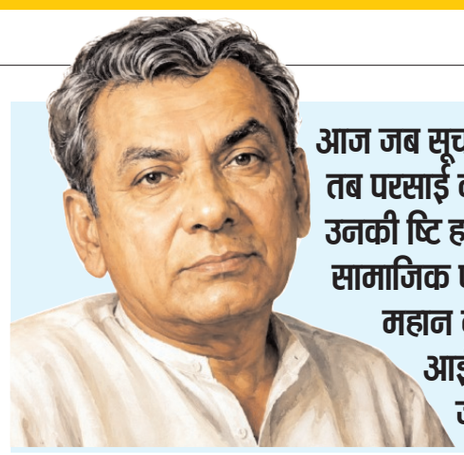

आज जब सूचना की अधिकता के बावजूद विचारों की गंभीरता कई बार कम होती दिखाई देती है, तब परसाई को पढ़ना और भी जरूरी हो जाता है। उनकी भाषा हमें सरलता का महत्व समझाती है, उनकी ष्टि हमें प्रश्न पूछना सिखाती है और उनका व्यंग्य हमें यह एहसास कराता है कि हंसी भी सामाजिक परिवर्तन की एक गंभीर शक्ति हो सकती है। हरिशंकर परसाई इसलिए केवल हिंदी के महान व्यंग्यकार नहीं हैं, बल्कि वे उस साहित्यिक परंपरा के प्रतिनिधि हैं जो समाज को आईना दिखाने का साहस रखती है। उनका साहित्य हमें हंसाते हुए चेताता है, चुभते हुए जगाता है और अंततः बेहतर समाज की आवश्यकता का बोध कराता है।

व्यंग्य के शिखर पुरुष हरिशंकर परसाई

महेन्द्र तिवारी

हरिशंकर परसाई हिंदी साहित्य के ऐसे रचनाकार हैं जिन्होंने व्यंग्य को केवल हँसी और मनोरंजन की विधा मानने से इनकार किया। उन्होंने व्यंग्य को सामाजिक चेतना, मानवीय विवेक और व्यवस्था पर सवाल उठाने का सशक्त माध्यम बनाया। उनकी रचनाओं को पढ़ते हुए पाठक कई बार मुस्कुराता है, लेकिन उसी मुस्कान के पीछे उसे समाज की ऐसी सच्चाई दिखाई देती है जो भीतर तक बेचैन करती है। परसाई का व्यंग्य इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसमें हास्य के साथ गंभीर चिंतन, करुणा के साथ आक्रोश और भाषा की सरलता के साथ विचारों की तीक्ष्णता दिखाई देती है। यही कारण है कि उनके निधन के तीन दशक बाद भी उनका साहित्य अपनी प्रासंगिकता बनाए हुए है।

हरिशंकर परसाई का जन्म 22 अगस्त 1924 को मध्य प्रदेश के जमानी गांव में हुआ था। उनका जीवन संघर्षों से भरा रहा। उन्होंने नागपुर विश्वविद्यालय से हिंदी में एमए की शिक्षा प्राप्त की। कुछ समय अध्यापन करने के बाद उन्होंने स्वतंत्र लेखन को अपना जीवन बना लिया। यह निर्णय आसान नहीं था, क्योंकि स्वतंत्र लेखन में आर्थिक स्थिरता का अभाव था, लेकिन परसाई ने साहित्य को नौकरी या प्रतिष्ठा प्राप्त करने का साधन नहीं बनाया। उन्होंने अपनी वैचारिक स्वतंत्रता और लेखकीय प्रतिबद्धता को सर्वोच्च महत्व दिया। जबलपुर से उन्होंने 'वसुधा' नामक साहित्यिक पत्रिका का प्रकाशन और संपादन भी किया। सीमित संसाधनों और आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने साहित्यिक पत्रकारिता को गंभीरता से आगे बढ़ाया। परसाई के साहित्य को समझने के लिए उनके समय को समझना भी जरूरी है। भारत स्वतंत्र हो चुका था और लोकतांत्रिक व्यवस्था स्थापित हो रही थी, लेकिन सामाजिक जीवन में अनेक पुरानी रूढ़ियां, आर्थिक विषमताएं, धार्मिक पाखंड, भ्रष्टाचार और सत्ता के प्रति अंधभक्ति मौजूद थी। स्वतंत्रता के बाद लोगों को जिस आदर्श समाज की उम्मीद थी, उसकी राह में अनेक विसंगतियां दिखाई देने लगी थीं। परसाई ने इन्हीं विसंगतियों को अपनी रचनाओं का विषय बनाया। उन्होंने बड़े सिद्धांतों की चर्चा करने के बजाय रोजमर्रा के जीवन में मौजूद छोटे-छोटे प्रसंगों के माध्यम से व्यवस्था की बड़ी सच्चाइयों को सामने रखा।

उनके व्यंग्य में आम आदमी लगातार उपस्थित रहता है। वह आदमी जो व्यवस्था की जटिलताओं में फंसा हुआ है, जो नेताओं के वादों को सुनता है, सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाता है, महंगाई से जूझता है, धार्मिक पाखंड को देखता है और फिर भी किसी न किसी उम्मीद के सहारे जीवन आगे बढ़ाता है। परसाई ने इस आम आदमी को केवल पीड़ित पात्र बनाकर प्रस्तुत नहीं किया, बल्कि उसकी मानसिकता और सामाजिक परिस्थितियों को भी समझने का प्रयास किया। उनके व्यंग्य का निशाना केवल नेता या अधिकारी नहीं होते, बल्कि समाज के वे लोग भी होते हैं जो व्यवस्था की बुराइयों से परेशान होने के बावजूद किसी न किसी रूप में उनका समर्थन करते रहते हैं। परसाई की भाषा उनकी सबसे बड़ी ताकतों में से एक थी। उन्होंने साहित्यिक आडंबर से दूर रहते हुए बोलचाल की भाषा को अपनी अभिव्यक्ति का माध्यम बनाया। उनकी भाषा सहज, जीवंत और संवादधर्मी है। ऐसा लगता है जैसे लेखक पाठक के सामने बैठकर उससे बातचीत कर रहा हो। यही सहजता उनके व्यंग्य को व्यापक पाठक वर्ग तक पहुंचाती है। कठिन सामाजिक और राजनीतिक प्रश्नों को वे ऐसी भाषा में रखते हैं कि पाठक पहले हंसता है और फिर सोचने के लिए मजबूर हो जाता है।

उनकी प्रसिद्ध रचनाओं में 'भोलाराम का जीव', 'प्रेमचंद के फटे जूते', 'सदाचार का ताबीज', 'ठिठुरता हुआ गणतंत्र', 'वैष्णव की फिसलन', 'विकलांग श्रद्धा का दौर', 'निठल्ले की डायरी', 'तिरछी रेखाएँ', 'रानी नागफनी की कहानी' और 'तट की खोज' जैसी रचनाएं विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। उनके साहित्य में कहानी, उपन्यास, निबंध और व्यंग्य जैसी विभिन्न विधाओं का प्रयोग मिलता है, लेकिन उनकी पहचान मुख्य रूप से एक सशक्त व्यंग्यकार के रूप में स्थापित हुई। 'भोलाराम का जीव' जैसी रचना में प्रशासनिक व्यवस्था की संवेदनहीनता पर व्यंग्य दिखाई देता है। एक साधारण आदमी की मृत्यु के बाद भी उसकी समस्याओं का समाधान नहीं होता। यह स्थिति केवल एक व्यक्ति की कहानी नहीं रह जाती, बल्कि उस व्यवस्था का प्रतीक बन जाती है जिसमें कागज और नियम इंसान से अधिक महत्वपूर्ण हो जाते हैं। परसाई की विशेषता यह है कि वे इस गंभीर विषय को उपदेशात्मक शैली में नहीं रखते। वे ऐसी परिस्थिति निर्मित करते हैं जिसमें हास्य पैदा होता है, लेकिन उस हास्य के भीतर व्यवस्था की क्रूरता साफ दिखाई देती है।

'प्रेमचंद के फटे जूते' में परसाई साहित्यकार और समाज के संबंधों पर विचार करते हैं। प्रेमचंद के फटे जूतों को वे केवल आर्थिक अभाव का प्रतीक नहीं बनाते, बल्कि लेखक की ईमानदारी और सामाजिक सरोकारों के संदर्भ में देखते हैं। यहां व्यंग्य साहित्यिक दुनिया की उन प्रवृत्तियों पर भी चोट करता है जहां लेखक की वास्तविक प्रतिबद्धता से अधिक उसके बाहरी सम्मान और प्रतिष्ठा को महत्व मिलने लगता है। इस रचना की लोकप्रियता इस बात का प्रमाण है कि परसाई साहित्य को समाज की वास्तविक परिस्थितियों से जोड़कर देखने वाले लेखक थे। 'सदाचार का ताबीज' में नैतिकता और सामाजिक व्यवहार के बीच मौजूद विरोधाभास सामने आता है। परसाई यह सवाल उठाते हैं कि क्या केवल नैतिकता की बातें करने से समाज नैतिक बन जाता है। उनका व्यंग्य उन लोगों पर है जो सार्वजनिक जीवन में आदर्शों की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, लेकिन निजी जीवन में उन्हीं आदर्शों का पालन नहीं करते। उनके यहां नैतिकता कोई भाषण का विषय नहीं, बल्कि व्यवहार की कसौटी है।

उनका व्यंग्य किसी व्यक्ति विशेष की आलोचना तक सीमित नहीं रहता। वे प्रवृत्तियों पर प्रहार करते हैं। भ्रष्टाचार, अवसरवाद, धार्मिक पाखंड, राजनीतिक स्वार्थ, सामाजिक असमानता और दिखावटी नैतिकता जैसी प्रवृत्तियां उनके साहित्य में बार-बार सामने आती हैं। वे व्यक्ति को व्यवस्था से अलग करके नहीं देखते। उन्हें पता था कि खराब व्यवस्था केवल नेताओं या अधिकारियों से नहीं बनती, बल्कि समाज की सामूहिक मानसिकता भी उसे मजबूत करती है।

परसाई की एक और विशेषता उनकी मानवीय दृष्टि है। उनके व्यंग्य में कठोरता जरूर है, लेकिन मनुष्य के प्रति घृणा नहीं है। वे कमजोर व्यक्ति की मजबूरी को समझते हैं और उसकी पीड़ा के साथ खड़े दिखाई देते हैं। उनका आक्रोश शोषण और पाखंड के विरुद्ध है। इसलिए उनके व्यंग्य में करुणा की एक अंतर्धारा दिखाई देती है। यही करुणा उन्हें केवल हास्य लेखक बनने से बचाती है। आज का समय तकनीकी रूप से परसाई के समय से बहुत अलग है। संचार के साधन बदल गए हैं, राजनीति की भाषा बदल गई है और समाज के सामने नई चुनौतियां आ गई हैं। इसके बावजूद परसाई की रचनाएं पढ़ते हुए लगता है कि उन्होंने हमारे वर्तमान की अनेक स्थितियों को पहले ही पहचान लिया था। अंधविश्वास का विस्तार, सार्वजनिक जीवन में नैतिकता का संकट, राजनीतिक अवसरवाद, भ्रष्टाचार, दिखावटी राष्ट्रवाद, सामाजिक असमानता और संस्थागत संवेदनहीनता जैसी समस्याएं आज भी हमारे सामने हैं। इसलिए परसाई को केवल अतीत का व्यंग्यकार मानना उनके साहित्य के साथ न्याय नहीं होगा। हरिशंकर परसाई का निधन 10 अगस्त 1995 को हुआ। वे अपने पीछे ऐसी साहित्यिक विरासत छोड़ गए जिसमें हंसी के साथ विचार, व्यंग्य के साथ संवेदना और आलोचना के साथ सामाजिक जिम्मेदारी जुड़ी हुई है। उन्होंने हिंदी व्यंग्य को एक ऐसी गंभीर अभिव्यक्ति दी जिसमें समाज का आत्म निरीक्षण संभव हुआ। उन्होंने पाठक को केवल हंसाया नहीं, बल्कि उसे अपने आसपास की दुनिया को नए ढंग से देखने की दृष्टि भी दी।

परसाई की सबसे बड़ी प्रासंगिकता शायद यही है कि वे पाठक को असहज प्रश्नों से बचने नहीं देते। वे बताते हैं कि जिस समाज में हम रहते हैं, उसकी कमियों के लिए केवल दूसरे जिम्मेदार नहीं हैं। हमें अपने भीतर भी झांकना होगा। उनकी रचनाओं का व्यंग्य दरअसल एक जागरूक नागरिक की आवाज है। वह आवाज जो सत्ता से सवाल करती है, समाज के पाखंड को पहचानती है और मनुष्य को विवेक के साथ जीने की प्रेरणा देती है।

आज जब सूचना की अधिकता के बावजूद विचारों की गंभीरता कई बार कम होती दिखाई देती है, तब परसाई को पढ़ना और भी जरूरी हो जाता है। उनकी भाषा हमें सरलता का महत्व समझाती है, उनकी दृष्टि हमें प्रश्न पूछना सिखाती है और उनका व्यंग्य हमें यह एहसास कराता है कि हंसी भी सामाजिक परिवर्तन की एक गंभीर शक्ति हो सकती है। हरिशंकर परसाई इसलिए केवल हिंदी के महान व्यंग्यकार नहीं हैं, बल्कि वे उस साहित्यिक परंपरा के प्रतिनिधि हैं जो समाज को आईना दिखाने का साहस रखती है। उनका साहित्य हमें हंसाते हुए चेताता है, चुभते हुए जगाता है और अंततः बेहतर समाज की आवश्यकता का बोध कराता है।

नजरिया

मक्का का गठजोड़ और भारत की परीक्षा

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

मक्का में सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान का रक्षा समझौता पश्चिम एशिया के बदलते सुरक्षा-समीकरण का संकेत है। 7 अगस्त को अल-सफा पैलेस में मोहम्मद बिन सलमान, रेजेप ताय्यिप एर्दोआन और शहबाज शरीफ ने इस पर हस्ताक्षर किए। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर भी मौजूद रहे। समझौते के तहत एक देश पर सशस्त्र हमला तीनों पर हमला माना जाएगा। यह नाटो की धारा पांच जैसा प्रावधान है, हालाँकि नाटो की तरह बाध्यकारी सैन्य संरचना या स्पष्ट सैन्य कार्रवाई का प्रावधान सार्वजनिक रूप से ज्ञात नहीं है। क्षेत्रीय अस्थिरता, ईरान से जुड़े क्षेत्रीय संघर्ष/युद्ध और अमेरिकी सुरक्षा-प्रतिबद्धताओं पर सवालों ने तीनों को सामूहिक सुरक्षा का विकल्प तलाशने को प्रेरित किया है। इसकी बुनियाद धार्मिक एकता से अधिक साझा असुरक्षा और क्षेत्रीय आत्मनिर्भरता है।

मक्का में बनी यह सुरक्षा-धुरी अचानक नहीं बनी। इसकी पहली कड़ी पिछले वर्ष सितंबर में सऊदी अरब और पाकिस्तान के रणनीतिक पारस्परिक रक्षा करार से जुड़ी थी। तुर्की के शामिल होने से यह द्विपक्षीय ढांचा त्रिकोणीय हो गया है। संयुक्त बयान के अनुसार, लक्ष्य सामूहिक निवारक क्षमता मजबूत करना और रक्षा सहयोग बढ़ाना है। यानी साझेदारी केवल हमले की स्थिति में साथ खड़े होने तक सीमित नहीं है। हालांकि इसकी असली ताकत संकट में सामने आएगी। अभी स्पष्ट नहीं है कि किसी सदस्य पर हमले की स्थिति में बाकी दोनों का सहयोग राजनीतिक समर्थन तक रहेगा या सैन्य-रसद सहायता भी देनी होगी। समझौते का पूरा पाठ सार्वजनिक न होने से घोषणा और वास्तविक सैन्य प्रतिबद्धता के बीच दूरी बनी हुई है। तीनों की क्षमताएं अलग हैं, लेकिन यही अंतर इस साझेदारी को वजन देता है। सऊदी अरब आर्थिक और वित्तीय ताकत के साथ इस्लामी दुनिया में आध्यात्मिक प्रभाव रखता है। तुर्की विकसित रक्षा उद्योग, ड्रोन तकनीक, सैन्य आधुनिकीकरण और नाटो अनुभव से लैस है। पाकिस्तान परमाणु शक्ति, अनुभवी सशस्त्र बल और क्षेत्रीय सैन्य अनुभव लेकर इस ढांचे में आया है। इस तरह पूंजी, तकनीक और सैन्य क्षमता एक मंच पर मिलती हैं। तीनों ने इसे रक्षात्मक समझौता बताया है। उनके अनुसार, यह किसी देश के खिलाफ नहीं है, न सैन्य धुरी या सांप्रदायिक गुट है और न परमाणु महत्वाकांक्षा या हथियारों की होड़ से जुड़ा है। समझौते में अन्य क्षेत्रीय देशों के लिए भी शामिल होने का रास्ता खुला है।

भारत के लिए चुनौती नए मोर्चे से ज्यादा पाकिस्तान को मिलने वाली अतिरिक्त ताकत की है। समझौते से उसे सऊदी पूंजी और तुर्की तकनीक का सहारा मिल सकता है, जिससे उसका सामरिक आत्मविश्वास बढ़े। अतीत में बाहरी समर्थन मिलने पर पाकिस्तान की सीमा-पार गतिविधियों में आक्रामकता बढ़ने के उदाहरण रहे हैं। हालांकि सऊदी अरब के साथ भारत के गहरे रिश्ते इस समीकरण को जटिल बनाते हैं। ऊर्जा, व्यापार, निवेश और खाड़ी में करोड़ों भारतीयों की मौजूदगी ने दोनों देशों के संबंध मजबूत किए हैं। इसलिए रियाध को भारत-विरोधी कदम उठाने वाला मानना उचित नहीं। तुर्की की पाकिस्तान के प्रति पुरानी सहानुभूति है, लेकिन भारत से उसके आर्थिक हित भी जुड़े हैं। लिहाजा यह समझौता भारत के खिलाफ सीधा मोर्चा नहीं, लेकिन रणनीतिक सतर्कता का संकेत है।

किसी समझौते की असली पहचान उसके ऐलान से नहीं, संकट में उसके निभाए जाने से होती है। इसलिए इसे 'इस्लामी नाटो' कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन मामूली घटना मानना भी भूल होगी। सामूहिक रक्षा व्यवस्था की ताकत नाम नहीं, सदस्यों के आपसी भरोसे और संकट में कार्रवाई की क्षमता से तय होती है। सऊदी अरब और तुर्की में क्षेत्रीय नेतृत्व को लेकर प्रतिस्पर्धा रही है, जबकि पाकिस्तान की आर्थिक निर्भरता उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता सीमित करती रही है। देखना होगा कि तीनों के साझा हित कितनी दूर साथ चलते हैं। मक्का समझौते की वास्तविक परीक्षा संकट में होगी। इसलिए इसे फिलहाल नाटो जैसी सक्रिय सैन्य शक्ति मानना उचित नहीं होगा।

बदलते क्षेत्रीय समीकरणों में भारत की सबसे बड़ी ढाल उसकी अपनी सामर्थ्य और सूझबूझ होगी। बहुध्रुवीय दुनिया में क्षेत्रीय शक्तियां अपनी सुरक्षा के नए ढांचे गढ़ रही हैं। ऐसे में भारत को खाड़ी देशों से ऊर्जा, व्यापार और निवेश के रिश्ते और मजबूत करने चाहिए। तुर्की के पाकिस्तान-झुकाव के बावजूद उसके साथ व्यावहारिक संवाद बनाए रखना जरूरी है। वहीं पाकिस्तान के संभावित उकसावे के सामने सैन्य तैयारी और विश्वसनीय निवारक क्षमता कायम रहनी चाहिए। भारत को न इस त्रिकोण से भयभीत होना है, न इसे हल्के में लेना है। आर्थिक शक्ति, आंतरिक स्थिरता, सैन्य क्षमता और कूटनीतिक सूझबूझ ही उसकी सबसे बड़ी सुरक्षा-कवच हैं।

मक्का से निकला यह गठजोड़ जितने उत्तर देता है, उससे कहीं बड़ा सवाल छोड़ जाता है-क्या मुस्लिम दुनिया अपनी सुरक्षा का भार स्थायी रूप से खुद उठाने की राह पर है, या यह मौजूदा संकट की क्षणिक प्रतिक्रिया है? ईरान से जुड़े क्षेत्रीय संघर्ष, पश्चिम एशिया की उथल-पुथल और अमेरिकी विश्वसनीयता पर उठते सवालों ने ऐसी साझेदारी की जमीन तैयार की है। लेकिन परिस्थितियां बदलते ही इसकी मजबूती भी बदल सकती है।

समय ही बताएगा कि यह त्रिकोण स्थायी सुरक्षा व्यवस्था बनता है या तात्कालिक भय से उपजा समीकरण साबित होता है। भारत के लिए संदेश स्पष्ट है-सीमा, ऊर्जा और क्षेत्रीय प्रभाव की सुरक्षा किसी बाहरी शक्ति या गठबंधन के भरोसे नहीं छोड़ी जा सकती। रणनीति में स्थायी मित्र या विरोधी से ज्यादा मायने अपनी ताकत का होता है। मक्का समझौता नए सुरक्षा-समीकरण का संकेत है। भारत को सऊदी अरब से रणनीतिक रिश्ते गहरे करने, तुर्की से संवाद बनाए रखने और पाकिस्तान के सामने निवारक क्षमता अडिग रखने की जरूरत है। नए गठबंधन बनेंगे, पुराने समीकरण बदलेंगे, लेकिन भारत की नीति भय या प्रतिक्रिया से नहीं, अपने हितों से तय होनी चाहिए। मक्का का संदेश भारत के लिए खतरे से ज्यादा एक महत्वपूर्ण चेतावनी और अवसर दोनों है। दुनिया बदल रही है, इसलिए भारत को आर्थिक, सैन्य और कूटनीतिक शक्ति इतनी मजबूत करनी होगी कि बदलते गठबंधन उसके हितों को प्रभावित न कर सकें।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

कनाडा में भारतीय महिला की हत्या के सात माह बाद उसका साथी गिरफ़्तार

टोरंटो/भाषा। कनाडा में पिछले साल दिसंबर में एक भारतीय नागरिक की मौत के मामले में उसके 32 वर्षीय साथी को गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। 'सीबीसी न्यूज' की एक खबर के अनुसार, अब्दुल गफूरी को सात महीने से अधिक समय तक फरार रहने के बाद शुक्रवार को कनाडा लौटने पर टोरंटो के एक हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया। कनाडा में हत्या का दोषी पाए जाने पर अनिवार्य रूप से उम्रकैद की सज़ा होती है, जिसमें 25 साल तक फुल पैरोल की कोई गुंजाइश नहीं होती। यह मामला 30 वर्षीय हिमांशी खुराना की मौत से जुड़ा है, जिनका शव पिछले साल दिसंबर में टोरंटो स्थित एक आवास से मिला था।

पुलिस ने पहले ही उनकी मौत को हत्या करार दिया था। पुलिस के अनुसार, हिमांशी और गफूरी के बीच करीबी संबंध थे। रिपोर्ट में कहा गया कि पुलिस ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर गफूरी की कनाडा वापसी सुनिश्चित की। हालांकि, उसे किस देश से वापस लाया गया, इसकी जानकारी नहीं दी गई। टोरंटो पुलिस को 19 दिसंबर को एक महिला के लापता होने की सूचना मिली थी। उस समय जारी पुलिस बयान के अनुसार, अगले दिन सुबह करीब 6:30 बजे अधिकारियों ने एक आवास के अंदर महिला को मृत पाया था। पुलिस ने दो दिन बाद मृतका की पहचान की और इसके बाद मामले में गफूरी की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी किया। पुलिस ने उसकी तलाश में देशव्यापी अभियान शुरू किया, लेकिन कई महीनों तक कोई सफलता नहीं मिली। अधिकारियों ने आरोपी और मृतका के बारे में अतिरिक्त जानकारी साझा नहीं की। महावाणिज्य दूतावास ने 24 दिसंबर को सोशल मीडिया मंच एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था कि 'खुराना युवा भारतीय नागरिक' थीं और वह स्थानीय अधिकारियों के समन्वय से उनके परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रहा है।

सावन मिलन

पटना के होटल 'द पनाशे' में भूमिहार महिला समाज द्वारा आयोजित 'सावन मिलन समारोह' में भगवान शिव और माता पार्वती के रूप में सजे कलाकार भाग लेते हुए।

नेपाल में आठ राजनीतिक दलों ने मिलकर बनाया 'प्रोग्रेसिव फ्रंट'

काठमांडू/भाषा। नेपाल के आठ राजनीतिक दलों ने ''साझा राजनीतिक मुद्दों और समान एजेंडे'' के आधार पर प्रोग्रेसिव फ्रंट' नाम से एक नए गठबंधन के गठन की घोषणा की है। काठमांडू में शनिवार को आयोजित एक कार्यक्रम में इस गठबंधन की घोषणा की गई। इसमें जनता समाजवादी पार्टी (जेएसपी), जनमत पार्टी (जेपी), आम जनता पार्टी (एजेपी), नागरिक उन्मुक्ति पार्टी नेपाल (एनयूपीएन), प्रगतिशील लोकतांत्रिक पार्टी (पीएलपी), नेपाल संघीय समाजवादी पार्टी (एनएसएसपी), बहुजन समाजवादी पार्टी नेपाल (बीएसपीएन) और खम्बुवान राष्ट्रीय मोर्चा (केआरएम) शामिल हैं। 'प्रोग्रेसिव फ्रंट' की ओर से जारी बयान के अनुसार, यह गठबंधन साझा राजनीतिक मुद्दों और समान एजेंडे के आधार पर आगे बढ़ने की तैयारी कर रहा है।

यह गठबंधन ऐसे समय में बनाया गया है, जब मधेस आधारित दलों और कुछ अन्य छोटे राजनीतिक दलों के बीच राजनीतिक सहयोग और समन्वय स्थापित करने के प्रयास जारी हैं। बयान में कहा गया है कि यह मोर्चा लोगों की जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर होने वाले सभी प्रकार के भेदभाव और असमानताओं को समाप्त कर न्यायपूर्ण, समावेशी और भेदभाव रहित ''एकीकृत समाज'' के निर्माण के लिए काम करेगा। इसमें कहा गया है कि यह मोर्चा संघीय, लोकतांत्रिक गणतांत्रिक शासन व्यवस्था और समावेशी लोकतांत्रिक प्रणाली को व्यावहारिक रूप से संस्थागत बनाने और विकसित करने का भी लक्ष्य रखता है।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह आज मिलेंगे भारत और चीन के राजदूत से

काठमांडू/भाषा। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह 'बालेन' सोमवार को नेपाल में भारत और चीन के राजदूतों के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। शाह के पद संभालने के 100 से ज़्यादा दिनों के बाद यह उनकी इस तरह की पहली आमने-सामने की कूटनीतिक वार्ता होगी। पहले भारतीय राजदूत और फिर चीनी समकक्ष से मिलने के बाद, शाह मंगलवार को अमेरिकी दूतावास के प्रभारी (चार्ज डी' अफेयर्स) से भी मुलाकात करेंगे। अलग-अलग मुलाकातों की पुरानी परंपरा से हटते हुए शाह ने आठ अप्रैल को यहां प्रधानमंत्री कार्यालय 'सिंह दरबार' में 17 राजदूतों और राजनयिक मिशनों के प्रमुखों के साथ एक संयुक्त शिष्टाचार मुलाकात की थी तथा उनमें भारत और चीन के प्रतिनिधि भी शामिल थे। शाह ने 27 मार्च को भारी जीत के बाद प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी।

विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने रविवार को बताया कि शाह सोमवार सुबह भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव से और उसी दिन दोपहर बाद चीनी राजदूत झांग माओमिंग से मुलाकात करेंगे। इसके बाद, मंगलवार को प्रधानमंत्री की अमेरिकी दूतावास के प्रभारी स्कॉट अर्बोम और अन्य राजनयिकों के साथ बैठक होगी। विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'द काठमांडू पोस्ट' को बताया, भारतीय राजदूत को पहले और उसके बाद चीनी राजदूत को आने के लिए कहा गया है। यानी दोनों राजदूत एक ही दिन प्रधानमंत्री से मिल रहे हैं, लेकिन पहले और बाद का समय सरकार की विदेश नीति की प्राथमिकता को भी दर्शाता है।'' 'द पोस्ट' ने प्रधानमंत्री के एक सलाहकार के हवाले से बताया कि विदेश मंत्रालय ने संबंधित दूतावासों को मुलाकात के लिए दिये गये समय की जानकारी दे दी है। खबर के अनुसार, बैठक का एजेंडा मुख्य रूप से परिचय-संबंधी होगा, जिसमें राजदूत शाह को द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति के बारे में जानकारी देंगे और अपनी-अपनी सरकारों की ओर से कोई संदेश पहुंचाएंगे। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने आमने-सामने की मुलाकातों से परहेज किया था और यहां तक कि दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के लिए अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री स्टेट समीर पॉल कपूर तथा दक्षिण और मध्य एशिया के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत सर्जियो गोर से मिलने से भी इनकार कर दिया था।

एकता कपूर की चमक कम नहीं हुई, वह समय के साथ बदलना जानती हैं : तेजस्वी

मुंबई/एजेन्सी

टीवी की दुनिया में अब डेली सोप्स के मुकाबले रियलिटी शोज, गेमिंग शोज और अलग तरह के कंटेंट को ज्यादा पसंद किया जा रहा है। ऐसे समय में मशहूर प्रोड्यूसर और 'टेलीविजन की क्वीन' कही जाने वाली एकता कपूर ने खुद को सिर्फ टीवी सीरियल्स तक सीमित नहीं रखा और रियलिटी शो के क्षेत्र में कदम बढ़ाया। इस कड़ी में एकता कपूर की तारीफ करते हुए अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश ने कहा कि वह समय के साथ खुद को बदलना जानती हैं। दरअसल, तेजस्वी प्रकाश इन दिनों गेमिंग रियलिटी शो 'प्लेग्राउंड' के पांचवें सीजन को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने कहा, ''एकता कपूर हमेशा से टेलीविजन की क्वीन रही हैं, लेकिन उन्हें सिर्फ टीवी की निर्माता के तौर पर देखना सही नहीं होगा। वह एक बेहतरीन रणनीतिकार होने के साथ-साथ बहुत समझदार बिजनेसवुमन भी हैं। उन्हें पता है कि इस समय दर्शकों के बीच क्या चल रहा है और किस तरह का कंटेंट लोगों को पसंद आ रहा है। इसलिए वह अपने काम को समय की मांग के हिसाब से बदलती रहती हैं।'' तेजस्वी ने कहा, ''एकता ने अपने आसपास कई ऐसे लोगों को देखा है, जो अपने काम करने के तरीके में बदलाव नहीं करना चाहते। ऐसे लोग चाहे उनका तरीका काम करे या न करे, उसी रास्ते पर चलते रहते हैं। इसकी वजह से वे आगे नहीं बढ़ पाते और एक जगह पर ही रुक जाते हैं। समय के साथ खुद में बदलाव करना बेहद जरूरी है और उन्होंने अपने जीवन में इस बात को महसूस किया है।''

तेजस्वी ने कहा, एकता कपूर ने अपनी गलतियों को समझा है और उन गलतियों से सीखने के बाद अपने काम करने के तरीके में जरूरी बदलाव किए हैं। जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए यह समझना जरूरी है कि कब अपने तरीके को बदलने की जरूरत है।तेजस्वी का एकता कपूर के साथ काम करने का अनुभव भी रहा है। वह एकता कपूर के चर्चित शो 'नागिन 6' में नजर आई थीं।रियलिटी शो 'लॉक अप' को लेकर भी तेजस्वी ने एकता कपूर की टीम की तारीफ की। उन्होंने कहा, ''शो के दूसरे सीजन की सफलता से मैं बेहद खुश और गर्व महसूस कर रही हूं।

यौन उत्पीड़न मामले में मशहूर निर्देशक शकील नूरानी गिरफ्तार

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर निर्देशक शकील नूरानी को यौन उत्पीड़न मामले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सतारा फॉर्म हाउस से गिरफ्तार कर उन्हें कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने 12 अगस्त तक शकील नूरानी को पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। 73 वर्षीय शकील नूरानी को 33 वर्षीय अभिनेत्री की ओर से दर्ज कराए गए, दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न मामले में गिरफ्तार किया गया है। मालवानी पुलिस ने मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता के मुताबिक घटना साल 2016 की है, लेकिन केस अब दर्ज किया गया है। मुंबई पुलिस के अनुसार अभिनेत्री की पहली मुलाकात नूरानी से 2016 में लोखंडवाला में एक पुरस्कार समारोह में हुई थी। अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि 'बड़े दिल वाला' और 'जोरू का गुलाम' के निर्देशक नूरानी ने उनसे एक आगामी प्रोजेक्ट के बारे में बात की और उन्हें काम के लिए उनसे संपर्क करने को कहा।

एफआईआर में महिला ने आरोप लगाया कि बाद में वह एक स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए उनके मालवानी स्थित आवास पर गई। शिकायत के अनुसार, नूरानी ने उन्हें सॉफ्ट ड्रिंक पीने को दिया, जिसके बाद वह बेहोश हो गईं। जब उन्हें होश आया, तो नूरानी ने उन्हें अपने मोबाइल फोन पर एक वीडियो दिखाया और धमकी दी कि अगर उन्होंने पुलिस से संपर्क किया या अपने परिवार को सूचित किया तो वह इसे प्रसारित कर देंगे। अभिनेत्री का आरोप है कि नूरानी ने कथित वीडियो का इस्तेमाल करके उसे धमकाया और कई बार उसका यौन उत्पीड़न किया। पीड़िता ने ये भी आरोप लगाया कि यौन संबंधों के बाद उसे बार-बार गर्भनिरोधक गोलियां दी गईं। एफआईआर के बाद पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि नूरानी सतारा जिले के मेधा इलाके में एक फार्महाउस में है। स्थानीय पुलिस की एक टीम ने नूरानी की तलाश की और मेधा पुलिस स्टेशन ले गई, जिसके बाद मालवानी पुलिस अधिकारी सतारा पहुंचे और उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया।

तिरंगा यात्रा

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को देहरादून में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आयोजित 'तिरंगा यात्रा' में भाग लिया।

रैगिंग सीन को लेकर वैष्णवी प्रजापति ने साझा किया अनुभव

मुंबई/एजेन्सी

टीवी शो 'गंगा माई की बेटियां' में रैगिंग सीन्स को फिल्माते समय अभिनेत्री वैष्णवी प्रजापति काफी इमोशनल हो गईं। उन्होंने बताया कि अपने किरदार सोनी के दर्द और उसकी मजबूरी को पर्दे पर उतारना काफी चुनौतीपूर्ण अनुभव रहा। वैष्णवी प्रजापति ने कहा, ''जब मैंने रैगिंग से जुड़े सीन की स्क्रिप्ट पढ़ी, तभी से मैं कहानी से भावनात्मक रूप से जुड़ गई थी। इन सीन्स को निभाने के लिए केवल डायलॉग बोलना ही काफी नहीं था, बल्कि अपने किरदार की मानसिक स्थिति को समझना और महसूस करना भी था। मेरी ज्यादातर पढ़ाई ऑनलाइन हुई है, इसलिए मैंने कभी रैगिंग का सामना नहीं किया। मैं जानती हूं कि कई छात्रों के लिए यह एक बड़ी समस्या है और इसके कारण उन्हें मानसिक परेशानी से गुजरना पड़ता है।''वैष्णवी ने रैगिंग और दोस्तों के बीच होने वाली सामान्य मस्ती के अंतर को भी समझाया। उन्होंने कहा, ''दोस्तों के बीच हल्की-फुल्की हंसी-मजाक और किसी को मानसिक रूप से परेशान करने वाली हरकतों में बड़ा फर्क होता है। किसी भी व्यक्ति के आत्मसम्मान को चोट पहुंचाने वाली या उसे डराने वाली रैगिंग को कभी सही नहीं ठहराया जा सकता।''वैष्णवी ने शो के एक खास सीन का जिक्र करते हुए कहा, ''सोनी के कपड़े फटने वाला सीन मेरे लिए सबसे मुश्किल सीन्स में से एक था। उस सीन को करते समय मेरे मन में बार-बार यह विचार आ रहा था कि अगर असल जिंदगी में किसी के साथ ऐसा कुछ होता है तो वह कितना दर्दनाक हो सकता है।''

उन्होंने आगे बताया, ''शूटिंग से पहले मेरे मन में यह सवाल भी आया था कि सोनी जैसी मजबूत लड़की आखिर रैगिंग करने वालों का विरोध क्यों नहीं कर रही है। जब मैंने किरदार की भावनाओं को गहराई से समझा तो एहसास हुआ कि डर, दबाव और मानसिक आघात किसी भी व्यक्ति को अंदर से प्रभावित कर सकते हैं। सोनी का चुप रहना उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उस समय की उसकी मानसिक स्थिति को दिखाता है।'' उन्होंने कहा, ''एक कलाकार के तौर पर इन सीन को शूट करते हुए मैं कई बार भावुक हुई, लेकिन साथ ही मुझे गर्व भी महसूस हुआ कि मैं ऐसी कहानी का हिस्सा हूं, जो एक महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दे पर बात कर रही है।'' आने वाले एपिसोड में शो की कहानी में एक बड़ा मोड़ देखने को मिलेगा।

रैगिंग के लिए जिम्मेदार छात्रा शिवानी अपनी चालाकी से पूरे मामले को बदलने की कोशिश करेगी। वह घटनाओं को इस तरह पेश करेगी कि ऐसा लगेगा जैसे सोनी ने ही उसे परेशान किया है। इस बदलाव के बाद कहानी में नया संघर्ष देखने को मिलेगा। 'गंगा माई की बेटियां' में वैष्णवी प्रजापति के साथ अमनदीप सिद्धू और शहीर खान भी मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं। यह रोजाना जी टीवी पर प्रसारित किया जाता है।

आदिवासी दिवस

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को अगरतला में त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद द्वारा आयोजित रैली में पारंपरिक पोशाक और आभूषणों में भाग लेते स्थानीय आदिवासी लोग।

मेरी सफलता का श्रेय पति को जाता है : सुरभि चंदना

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री सुरभि चंदना पति के साथ पिछले कई समय से शादी के बंधन में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि करियर के हर पड़ाव पर पति उनके लिए बड़ा सपोर्ट बनकर सामने आए। साथ ही, जरूरत बनने पर परिवार के खास मौकों का भी त्याग किया। अभिनेत्री ने बताया कि दोनों 21 साल की उम्र से एक-दूसरे के साथ हैं। अब हम दोनों 36 साल के हो गए हैं। हमने साथ में सब कुछ देखा है। असल में हम साथ-साथ में ही बड़े हुए हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि इन वर्षों में दोनों ने एक-दूसरे की पर्सनल और प्रोफेशनल कामयाबियां देखी हैं। उन्होंने मुझे एमबीए करते हुए देखा, मैंने उन्हें लंदन में एमबीए करते हुए देखा। फिर मैं एक्ट्रेस बनी। उन्होंने मेरी पूरी एक्टिंग यात्रा को देखा है।सुरभि चंदना ने बताया कि कैसे पति करण उनके साथ ऑडिशन में साथ जाया करते थे और जब वह अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश कर रही होती थीं, तो वह सब्र के साथ उनका इंतजार करते थे। उन्होंने बताया, करण मुझे ऑडिशन में ले जाया करते थे। मैं लाइन में खड़ी रहती थी और वह कार में मेरा इंतजार किया करते थे। ऐसे में करण ने अपने परिवार के कई जरूरी सेलिब्रेशन तक छोड़े हैं, क्योंकि उनके लिए मेरा ऑडिशन ज्यादा जरूरी होता था।अभिनेत्री ने कहा, मेरी कामयाबी का श्रेय करण को जाता है। बेशक, मेरी मां भी मुझे ऑडिशन के लिए ले जाती थीं, लेकिन करण इस यात्रा के हर कदम पर मेरे साथ रहे हैं। आज भी अगर हम कुछ बड़ा हासिल कर लेते हैं, तो हम साथ मिलकर उसे सेलिब्रेट करते हैं। यह हमेशा से छोटा सेलिब्रेशन होता है, कभी कोई बड़ी पार्टी नहीं होती। हां, हमें घूमना-फिरना पसंद है, लेकिन उससे भी ज्यादा हमें खाना पसंद है।

राजपाल के खिलाफ कोठी पर कब्जे की शिकायत दर्ज

शाहजहांपुर/एजेन्सी

फिल्म अभिनेता राजपाल यादव की कानूनी मुश्किलों के बीच अब शाहजहांपुर में उनकी एक कोठी को लेकर नया विवाद सामने आया है। विक्रम कुशवाहा नाम के एक एक शख्स ने कोठी पर कब्जा करने का आरोप राजपाल यादव पर लगाया है।विक्रम सिटी मजिस्ट्रेट को प्रार्थना पत्र देकर पूरे मामले की जांच कराने और संपत्ति को कब्जा मुक्त कराने की मांग की है। शिकायतकर्ता का दावा है कि जिस कोठी को राजपाल यादव अपना बता रहे हैं, वह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी प्रेम कृष्ण खन्ना की संपत्ति थी और बाद में वसीयत के आधार पर वह विक्रम कुशवाहा के अधिकार में आई। विक्रम कुशवाहा ने दावा किया कि प्रेम कृष्ण खन्ना ने यह संपत्ति राधा रमण सेठ से खरीदी थी। प्रेम कृष्ण खन्ना की कोई संतान नहीं थी और उन्होंने बचपन से उनकी सेवा की थी। शिकायतकर्ता का दावा है कि प्रेम कृष्ण खन्ना ने उसे गोद लिया था, जिसका गोदनामा है। वर्ष 1982 में प्रेम कृष्ण खन्ना ने वसीयत के माध्यम से अपनी चल-अचल संपत्ति उसके नाम कर दी थी। इसी आधार पर वह खुद को संपत्ति का वारिस बता रहे हैं।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि राजपाल यादव ने दबंगई और रसूख के बल पर उस कोठी पर कब्जा कर लिया। उन्होंने प्रशासन से संपत्ति से जुड़े पुराने दस्तावेज, नगर निकाय के रिकॉर्ड और अन्य अभिलेखों की जांच कराने की मांग की है। विक्रम कुशवाहा का दावा है कि नगर निगम/नगर पालिका के रिकॉर्ड में आज भी वह संपत्ति प्रेम कृष्ण खन्ना के नाम दर्ज है। इसके अलावा अन्य दस्तावेजों में भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी प्रेम कृष्ण खन्ना का नाम दर्ज होने का दावा किया गया है।संपत्ति को लेकर विवाद पहले से न्यायिक स्तर पर भी चल रहा है। शिकायतकर्ता के मुताबिक, मामले को लेकर शाहजहांपुर से लेकर हाईकोर्ट तक कानूनी प्रक्रिया चल रही है। यह विवाद ऐसे समय सामने आया है, जब राजपाल यादव पहले से ही चेक बाउंस मामले में फंसे हैं। इसके अलावा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की ओर से उनकी कुछ संपत्तियों पर नीलामी संबंधी नोटिस चस्पा किए जाने की जानकारी भी सामने आई है।विक्रम कुशवाहा की ओर से राजपाल यादव पर लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। राजपाल यादव की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अब प्रशासनिक जांच और अदालत में चल रही कार्यवाही के दौरान सामने आने वाले दस्तावेजों से संपत्ति के स्वामित्व और कब्जे की स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

मन जीता तो जीवन जीता : आचार्य कुलबोधिसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां वेपेरी जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री कुलबोधिसूरीश्वरजी म. के सान्निध्य में रविवारीय युवा शिबिर-2 का आयोजन आध्यात्मिक ऊर्जा और उत्साह के साथ हुआ। 'माइंड मैनेजमेंट' विषय पर आयोजित शिविर में आचार्यश्री ने युवाओं को मन की शक्ति पहचानने, वर्तमान में जीने तथा सकारात्मक सोच के साथ जीवन को आनंदमय बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ 'मेरा जीवन तेरे हवाले, प्रभु इसे पल-पल तू ही संभाले' के घोष के साथ हुआ। लाभार्थी संघवी रमिलाबेन कमलेश कुमार लालचंद, मंडवारिया परिवार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया। संघ अध्यक्ष तेजराज कोठारी, उपाध्यक्ष चंपालाल रांका एवं सचिव संघवी आकाश जैन ने स्वागत किया।

आचार्यश्री ने कहा कि समझ सबके पास होती है, लेकिन सही समय पर क्या करना है, इसकी समझ सभी के पास नहीं होती। जीवन तीन पन्नों की डायरी के समान है, पहले पन्ने पर जन्म और अंतिम पन्ने पर मृत्यु निश्चित है, लेकिन बीच के पन्नों पर क्या लिखना है, यह हमारे हाथ में है। इसलिए जीवन को सार्थक बनाने का प्रयास करना चाहिए। मन की महत्ता समझाते हुए उन्होंने कहा कि जैसे बड़ी से बड़ी ताले की चाबी छोटी होती है, वैसे ही मन छोटा दिखाई देता है, लेकिन उसके हाथ में जीवन की दिशा बदलने की शक्ति है। यही मन संसार-परिभ्रमण का कारण बन सकता है और यही मोक्ष का माध्यम भी। मन तारता भी है और मारता भी है।

उन्होंने युवाओं को माइंड मैनेजमेंट के पांच सूत्र देते हुए कहा कि जीवन को फ्रीनेस, ईजीनेस, अवेयरनेस, पॉजिटिवनेस और हैप्पीनेस के साथ जीना सीखें। तनाव और चिंता का बोझ न ढोएं। हास्यपूर्ण अंदाज में उन्होंने कहा, एलएमएल की डिग्री लीजिए-लोड मत लीजिए। चिंता और चिता में केवल एक बिंदी का अंतर है, लेकिन चिता मृत व्यक्ति को जलाती है, जबकि चिंता जीवित व्यक्ति को जला देती है।आचार्यश्री ने वर्तमान में जीने, जागरूक रहने और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि आज मेरे जीवन का अंतिम दिन हो सकता है। मृत्यु निश्चित है, लेकिन उसका समय किसी को ज्ञात नहीं। इसलिए धर्म और शुभ कार्यों को कल पर न टालते हुए अभी और यहीं' की भावना से जीवन जीना चाहिए। उन्होंने युवाओं से नकारात्मकता छोड़कर जीवन के आधे भरे गिलास को देखने, दूसरों की कमियों के बजाय खूबियां देखने और हर परिस्थिति में जो हुआ, सो अच्छा हुआ का भाव रखने का आह्वान किया और कहा कि सुख-दुःख दोनों जीवन का हिस्सा हैं। सुख में सहज रहेंगे तो दुःख में भी सहज रहना सीख जाएंगे। एक मुस्कान से अच्छा फोटो आता है तो सदैव मुस्कुराने से जीवन कितना सुंदर बन सकता है, इसकी कल्पना कीजिए। उन्होंने शायराना अंदाज में कहा जिंदगी जीने का मकसद खास होना चाहिए, स्वयं पर पूरा विश्वास होना चाहिए। जीवन में खुशियों की कमी नहीं होती, खुशी मनाने का अंदाज होना चाहिए। उन्होंने प्रेरक संदेश देते हुए कहा, हार तब मिलती है, जब मान लिया जाता है और जीत तब मिलती है, जब ठान लिया जाता है। धर्म के मार्ग पर कभी ना' नहीं और पाप के मार्ग पर कभी हां' नहीं बोलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में धीरज निमजिया ने भावपूर्ण संगीत प्रस्तुति दी।

नारायण सेवा द्वारा 340 दिव्यांगजनों को मिले 370 नारायण मॉड्यूलर कृत्रिम अंग एवं कैलिपर्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर एवं मातुश्री शांताबेन त्रिभुवनदास पटेल चैरिटेबल ट्रस्ट (टी.एम. पटेल परिवार, सूरत-गुजरात) के सहयोग से जापान एवं जर्मन तकनीक से निर्मित 3डी प्रिंटेड नारायण मॉड्यूलर आर्टिफिशियल लिम्ब फिटमेंट शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 340 दिव्यांगजनों को 370 कृत्रिम हाथ-पैर एवं कैलिपर्स निःशुल्क प्रदान कर फिट किए गए। इस अवसर पर दानदाताओं का अभिनंदन भी किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व निदेशक, सीबीआई एवं पद्मश्री सम्मानित डॉ. कार्तिकेयन ने कहा कि यह केवल चिकित्सा सेवा नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची साधना है। किसी दिव्यांग को दोबारा चलने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलने से उसके साथ पूरे परिवार के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव आता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे टी.एम. पटेल परिवार के चेयरमैन हरीश भाई पटेल ने कहा कि नारायण सेवा संस्थान का प्रयास मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है। वर्षों से दूसरों के सहारे जीवन जी रहे लोगों को अपने पैरों पर खड़ा होते देखना अत्यंत भावुक और प्रेरणादायी है। संस्थान की निदेशक वंदना अग्रवाल ने कहा कि दिव्यांगजनों को केवल कृत्रिम अंग देना हमारा उद्देश्य नहीं, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास के साथ अपने पैरों पर खड़ा करना हमारी प्राथमिकता है। आधुनिक तकनीक से बने ये कृत्रिम अंग उनके जीवन में गतिशीलता के साथ आत्मनिर्भरता का नया विश्वास पैदा कर रहे हैं।

शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मेवाड़ी परंपरा के अनुसार अतिथियों के स्वागत से हुआ। संस्थान की 40 सदस्यीय विशेषज्ञ टीम ने लाभार्थियों को कृत्रिम अंगों का फिटमेंट किया। चिकित्सकों एवं तकनीकी विशेषज्ञों ने उन्हें संतुलन, चलने की तकनीक, कृत्रिम अंगों के उपयोग एवं देखरेख का प्रशिक्षण भी दिया। संस्थान निदेशक वंदना अग्रवाल के अनुसार 24 मई को आयोजित चयन एवं मेजरमेंट कैंप में 450 से अधिक दिव्यांगजनों का पंजीकरण हुआ था। इनमें चयनित 340 लाभार्थियों को इस शिविर में कृत्रिम अंग एवं कैलिपर्स प्रदान किए गए।

इस अवसर पर रूट्स ग्रुप ऑफ कंपनीज के अध्यक्ष के. रामासामी, माहेश्वरी सभा के संरक्षक श्रीगोपाल माहेश्वरी, राजस्थानी संघ अध्यक्ष एवं माहेश्वरी सभा सचिव संतोष मूंदड़ा, माहेश्वरी सभा अध्यक्ष दामोदर प्रसाद सोमानी, समाजसेवी मोतीलाल गोयल, संरक्षक महेश अग्रवाल, श्रेणिक सिंघवी, बीना मूंदड़ा, कमल किशोर अग्रवाल, वरदराजन एवं नारायण राव सहित अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संचालन जितेंद्र शर्मा ने किया। आभार शिविर प्रभारी अचल सिंह भाटी ने व्यक्त किया, जबकि हरिप्रसाद लड्ढा ने शिविर की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

तमिलनाडु पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ 48 घंटे की कार्रवाई में 837 लोगों को गिरफ्तार किया

चेन्नई। तमिलनाडु पुलिस ने साइबर अपराध नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 'म्यूल' बैंक खाता धारकों को निशाना बनाकर चलाए गए 48 घंटे के राज्यव्यापी अभियान के दौरान 837 लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि छह और सात अगस्त को चलाए गए विशेष अभियान के दौरान राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज 9,804 शिकायतों से जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक, इन शिकायतों में कुल 545.2% करोड़ रुपये की धोखाधड़ी वाला लेनदेन शामिल था। पुलिस के एक बयान के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोगों का संबंध साइबर अपराध से जुड़े मामलों में दर्ज 601 मौजूदा प्राथमिकी से था।

धन नहीं, रिश्तों की दौलत कमाइए : मुनि तीर्थचैतन्य विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मनुष्य जीवनभर धन, सफलता, प्रतिष्ठा और सुविधाएं जुटाने में लगा रहता है, लेकिन जीवन की वास्तविक समृद्धि केवल धन-संपत्ति में नहीं, बल्कि आत्मीय संबंधों, प्रेम और मन की शांति में है। यह संदेश किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री तीर्थचैतन्य विजयजी म. सा. ने रविवार को प्रवचन में दिया। उन्होंने एक पिता के अंतिम संदेश का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि पिता ने पुत्र से लिखा था-गांव-गांव अपना घर बनाना। पुत्र को इसका अर्थ समझ नहीं आया। बाद में बुजुर्ग ने समझाया कि इसका अर्थ हर गांव में मकान बनाना नहीं, बल्कि हर जगह ऐसे संबंध बनाना है कि जहां भी जाएं, कोई अपना बनकर स्वागत करने वाला मिले। मुनिश्री ने कहा कि केवल पैसे के कारण बना स्टैंडर्ड जीवन का सबसे निचला स्तर है। उससे ऊपर संबंधों की संपदा है और सबसे ऊंचा स्तर वह है, जहां जीवन में सुख, प्रेम, शांति और संतोष हो। धन सुविधा दे सकता है, लेकिन आत्मीयता और शांति खरीदी नहीं जा सकती।

उन्होंने एक प्रसंग के माध्यम से बताया कि एक परिवार के सामने चार अतिथि सफलता, सुख, प्रेम और शांति में से किसी एक को घर बुलाने का विकल्प था। परिवार ने अंततः प्रेम को चुना, क्योंकि जहां प्रेम है, वहां सफलता, सुख, और शांति स्वतः ही आ जाती है। परिवार के रिश्तों का महत्व बताते हुए मुनिश्री ने कहा कि पत्नी, माता-पिता और बच्चों की वास्तविक कीमत किसी कागज पर लिखी नहीं होती।

रिश्तों की वैल्यू तब समझ आती है, जब उनके बिना जीवन की कमी महसूस होती है। उन्होंने मिडिल जेनरेशन को परिवार का दीपक बताते हुए कहा कि जिस प्रकार दहलीज पर रखा हुआ दीपक दोनों ओर प्रकाश देता है, उसी प्रकार मध्य पीढ़ी और बच्चों को संस्कार और दिशा देनी है तथा दूसरी ओर माता-पिता की सेवा और सहारा बनना है।

मुनिश्री ने कहा कि रिश्ते केवल अधिकार नहीं, कर्तव्य भी हैं। इसलिए जीवन में केवल यह नहीं देखना चाहिए कि हमें क्या मिला, बल्कि यह भी सोचना चाहिए कि हम अपने परिवार और संबंधों को क्या दे रहे हैं। उन्होंने कहा, मकान बनाइए, लेकिन दिलों में भी घर बनाइए। धन कमाइए, लेकिन रिश्तों की दौलत मत खोइए। सफलता पाइए, लेकिन शांति को मत गंवाइए। यही जीवन की वास्तविक संपन्नता है।

इन्द्रिय संयम ही धर्म-ध्यान में सहयोग देता है : जयतिलक मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

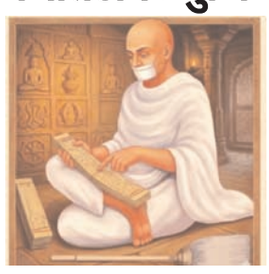

चेन्नई। यहां साहुकारपेट एसएस जैन संघ के तत्वावधान में जैन भवन के प्रांगण में विराजित जयमल सम्प्रदाय के आचार्यश्री पार्श्वचन्दजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती श्री जयतिलक मुनिजी म.सा. 'लघु' ने अपने प्रेरणादायी प्रवचन में कहा कि इन्द्रिय संयम ही धर्म-ध्यान में सहयोग देता है। मनुष्य के जीवन में धर्म एवं आध्यात्मिक साधना तभी सार्थक हो सकती है, जब वह अपनी इन्द्रियों, मन, वचन और काया पर संयम रखते हुए जागृत अवस्था में जीवन व्यतीत करे।

मुनिश्री ने कहा कि धर्म-ध्यान करने के लिए संयम अत्यंत आवश्यक है। संयम मुख्य रूप से दो प्रकार का होता है-आजीवन संयम और अल्पकालीन संयम। संयम में रहकर ही वास्तविक धर्म-ध्यान किया जा सकता है। व्रत एवं पच्चखाण लेकर किया गया धार्मिक अनुष्ठान आत्मा को शुद्धि की दिशा में आगे बढ़ाता है।

जो जीव असंयम और अधर्म की प्रवृत्तियों में चला जाता है, वह संसार के मोह-माया रूपी सागर में पुनः डूब सकता है। इसलिए मनुष्य को प्रत्येक क्षण जागृत रहकर अपने कर्मों और आचरण का निरीक्षण करते रहना चाहिए गुरुदेव ने कहा कि मनुष्य को अपने मन, वचन और काया की प्रत्येक गतिविधि का निरंतर निरीक्षण करना चाहिए। मन में कौन-से विचार उत्पन्न हो रहे हैं, वाणी से क्या बोला जा रहा है और शरीर से कौन-सा कार्य किया जा रहा है-इन तीनों पर जागरूकता रखना ही आत्म-साधना का महत्वपूर्ण अंग है।

उन्होंने कहा कि पांचों इन्द्रियां यदि विषय-विकारों के अधीन हो जाएं तो जीव निरंतर कर्मों का बंध करता रहता है। इसके विपरीत जो व्यक्ति अपनी इन्द्रियों को वश में रखता है, वह कर्मों की निर्जरा की दिशा में आगे बढ़ता है। संघ के महामंत्री पृथ्वीराज बागरेचा ने बताया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने उपस्थित होकर प्रवचन का लाभ लिया। संचालन सज्जनराज सुराणा ने किया।

संतों के सान्निध्य में आरआर नगर में भी आयोजित हुआ युवाचार्य वर्धापना समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आरआर नगर स्थित तेरापंथ भवन में मुनिश्री विनीत कुमारजी व आकाश कुमार जी के सान्निध्य में तेरापंथ धर्मसंघ के नवनियुक्त युवाचार्यश्री महावीर कुमार जी का वर्धापना समारोह तेरापंथी सभा विजयनगर एवं राजराजेश्वरीनगर के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को आयोजित किया गया। मुनिश्री विनीत कुमार जी ने कहा कि वर्ष 2001 में गंगाशहर के मर्यादा महोत्सव में पिता सवाईसिंह एवं पुत्र महावीर की जोड़ी ने भावपूर्ण अंदाज में गीत गाकर दीक्षा की अनुनय-विनय प्रस्तुत की थी। दीक्षा उपरांत आचार्य महाप्रज्ञ जी ने युवाचार्य महाश्रमण जी से कहा कि महावीर मुनि को सदैव अपने साथ रखना।

युवाचार्यश्री एक विवेक सम्पन्न, श्रमशील, श्रुत आराधक, अप्रमत्त अवस्था के आराधक एवं सुशिष्य हैं। उन्होंने आचार्य तुलसी के भी कुछ गुण अपनाए। वे बच्चों पर विशेष ध्यान देते हैं। मुनिश्री आकाश कुमार जी ने कहा कि योग्य उत्तराधिकारी का चयन आचार्य का मुख्य दायित्व होता है।

गुरु की दृष्टि फिल्टर की तरह अपने शिष्यों का सर्वांगीण परीक्षण कर योग्यतम शिष्य के हाथों में संघ के भविष्य की बागडोर सौंपने का निर्णय लेती है। मुनिश्री पुनीत कुमार जी ने अपनी भावाभिव्यक्ति में आरम्भिक वर्षों का जिक्र किया।

तेरापंथ सभा राजराजेश्वरी नगर के सभाध्यक्ष कमलसिंह दुगड़ ने सभी का स्वागत करते हुए संतों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। अध्यक्ष ने गुरु दर्शनार्थ संघ की जानकारी दी तथा संघ के संयोजक के रूप में उपाध्यक्ष राजेश छाजेड़ के नाम की घोषणा की।

ट्रस्ट के अध्यक्ष राकेश छाजेड़, तेयुप के अध्यक्ष सरल पटावरी, तेममं की अध्यक्ष मंजु बोथरा सहित विजयनगर व अन्य संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किए। राजराजेश्वरी नगर से तेरापंथी सभा, युवक परिषद,महिला मंडल, कन्या मंडल एवं विजयनगर से सभी संस्थाओं ने भावपूर्ण गीतों द्वारा नवनियुक्त युवाचार्य की वर्धापना की।मंच संचालन मुनिश्री हितेन्द्र कुमार जी ने किया।

युद्ध, कलह, आतंक थमेंगे, जब आएगा शाकाहार : डॉ. दिलीप धींग

चेन्नई। जैन लेखक मंच की मासिक काव्य गोष्ठी 8 अगस्त शाम साहुकारपेट स्थित तेरापंथ सभा भवन में हुई। एम. गौतम बोहरा (सीए) ने अध्यक्षता की। कवि डॉ. दिलीप धींग ने शाकाहार पर आठ पदों की प्रभावी कविता सुनाई- 'हो मानव अथवा पशु-पक्षी, सबको जीने का अधिकार, युद्ध, कलह, आतंक थमेंगे, जब आएगा शाकाहार।'

केवल कोठारी ने 'क्यूं हवा भी यहां बदचलन हो गई', तपस्वी शिल्पा बंब जैन ने 'टूट जाए ऐसा वादा मत करो', 'अमृतवाणी' के अध्यक्ष ललितकुमार दुगड़ ने 'मुश्किलों की कोख से समाधान', राजेश सुराणा ने 'कलम पैनी रख', शोध छात्रा ज्योति मेहता ने 'राज घुला स्याही में' कविताएँ सुनाई। जयंतीलाल जागरूक ने देशभक्ति पर कविता, एमजी बोहरा ने हिंदी व राजस्थानी में सावन के दोहे, सरिता सरगम ने राखी का गीत तथा मनोहरमल 'महक' ने भ्रातृप्रेम के छंद सुनाए। डॉ. दिलीप धींग ने संचालन किया।

शैक्षिक सफलता के साथ जिम्मेदार देशवासी भी बनें - हरीश कुमार सांघी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ साहूकार पेट शाखा के तत्वावधान में अपने 100 वर्ष पूरा होने के संदर्भ में वालटेक्स रोड स्थित जेके इनकलेव हॉल में गुरु पूजनोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें शहर के सैंकड़ों संघ सेवकों एवं शाखा प्रमुखों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि अग्रसेन कॉलेज माधावरम् के सचिव एवं अग्रवाल रिलीफ एण्ड एजुकेशन ट्रस्ट के चेयरमैन हरीश कुमार सांघी ने कहा की संघ ने अपने अद्भुत समर्पित सेवा की यात्रा के 100 वर्ष पूरे किए है। पूरा संघ परिवार बधाई का पात्र है। आज पूरा देश संघ पर गर्व करता है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को अपने जीवन में शैक्षिक सफलता तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि एक जिम्मेदार देशवासी भी बनना चाहिए। यह जिम्मेदारी सामाजिक व राष्ट्रीय हो तो विशेष महत्व रखती है। संघ ने सेवा, समर्पण व शिक्षा को हमेशा महत्व दिया है, देश को अभी इसकी बहुत जरूरत है। प्रमुख वक्ता के रूप मे राजस्थान से पाथेय कण जागरण पत्रिका के सहसंपादक श्यामसिंह ने भी संघ के 100 वर्षों के समर्पण और सेवा त्याग के इतिहास के बारे में विस्तार से बताया। भाग संचालक पार्श्व कुमार जैन ने अतिथियों का स्वागत किया।

गुरु प्रतीक भगवा ध्वज की स्थापना और पूजा की गई। संघ सेवकों द्वारा देशभक्ति के एकल गीत प्रस्तुत किए गए। तत्पश्चात गुरु पूजा कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर डॉ ज्ञान जैन, डॉ अशोक कुमार द्विवेदी, करणराज, आदि अनेक शाखा प्रमुखों एवं संघ सेवकों ने भाग लिया। संघ सेवक चिराग एवं प्रवीण ने संचालन व आभार ज्ञापन किया।

बीएसएसएस में स्वतंत्रता दिवस समारोह एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कोंडीतोप स्थित श्रृंगेरी मठ में भारतीय संस्कृति संरक्षण समिति (बीएसएसएस) द्वारा स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन देशभक्ति, संस्कार और सांस्कृतिक उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं शिविर प्रार्थना 'चंदन है इस देश की माटी..' से हुआ। कार्यक्रम में इस्कॉन से आए स्वामी श्री गोपीनाथ प्रभु जी ने अपने आशीर्वचन से उपस्थितजनों को आध्यात्मिक एवं भक्तिमय संदेश दिया। हिंदू युवा संगठन के संयोजक यश दाहिमा ने बच्चों एवं युवाओं को जीवन में संस्कारों के महत्व से अवगत कराया। मोतीलाल फार्मूला सनातन धर्म स्कूल से पधारीं मैडम प्रिया ने विद्यार्थियों को राष्ट्रहित में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित किया। वहीं, विजयवाड़ा से उपस्थित समाजसेवी ऋतिक भट ने अपने प्रेरणादायी संबोधन के साथ संस्था को सहयोग राशि भी प्रदान की।

समारोह के दौरान संस्था के स्वयंसेवकों का शपथ ग्रहण समारोह भी आयोजित किया गया। स्वयंसेवकों ने देश, धर्म, समाज एवं भारतीय संस्कृति के प्रति समर्पण के साथ निरंतर सेवा करने का संकल्प लिया।

ओंकार सिंह राजपुरोहित ने बताया कि कार्यक्रम में बच्चों ने देशभक्ति गीतों एवं क्रांतिकारी वेशभूषा के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसे उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा। देशभक्ति नृत्य प्रस्तुति में 12 से अधिक टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी शानदार प्रस्तुतियों से वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया।

कार्यक्रम का समापन भारत माता की आरती एवं सामूहिक शांति पाठ के साथ हुआ। समारोह के अंत में उपस्थित सभी बच्चों एवं अतिथियों को रामदेव पैकेजिंग के हंसराम गांधी की ओर से लड्डू का प्रसाद वितरित किया गया।

निष्ठाभावना के बिना नहीं होता समाज, धर्म और राष्ट्र का विकास : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

हैदराबाद/दक्षिण भारत। शहर के एग्जिबिशन ग्राउंड स्थित विशाल जगद गुरु हीरसूरि वाटिका में कल्याणकारी तपागच्छ वर्षावास समिति द्वारा आयोजित तीसरी जागरण सेमिनार को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि सामाजिक कुरीतियों को दूर करने और विकास की गति को तीव्रता देने के समाज के समृद्ध व प्रबुद्ध वर्ग को समर्पित भावों से आगे आकर काम करने की आवश्यकता है। जब हम समाज को स्वयं से और अपने परिवार से अधिक महत्वपूर्ण समझेंगे, तभी कुछ न्योछावर करने का मन बनेगा। हर व्यक्ति में सर्वप्रथम समाज, धर्म, राष्ट्र और मानवता के प्रति निष्ठाभावना का निरंतर विकास होना चाहिए। निष्ठावान एक व्यक्ति भी हजार से बढ़कर होता है और निष्ठाहीन हजारों की भीड़ भी बेकार होती है। आचार्यश्री ने कहा कि तीर्थंकरों के मंदिर नहीं, गुरुओं की मूर्तियां और गुरुओं के झंडे सामाजिक एकता की दिशा में सबसे अधिक बाधक हैं जिनके कारण ही जगह-जगह विवाद हो रहे हैं।

तीर्थंकर तो 24 हुए हैं, लेकिन गुरु तो 2400 और 24000 से अधिक हो गए हैं। समाज को सर्वप्रथम अपना लक्ष्य निर्धारित करने की आवश्यकता है कि उसे करना क्या है।

मुनि तत्वविमलसागरजी व मुनि वीरविमलसागरजी ने बताया कि 2000 से अधिक प्रवेश-पत्र धारक पुरुषों व महिलाओं ने सेमिनार में भाग लिया।

कार्यक्रम के अंत में अनेक युवक-युवतियों ने परिचर्चा में जुड़ते हुए विविध धार्मिक-सामाजिक विषयों, व्यावहारिक समस्याओं, बदलती युगीन परिस्थितियों, लोगों की मानसिकताओं और इन सबके समुचित समाधान हेतु उपयोगी विचार व्यक्त किए।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.